

पहला कॉलम
एडवोकेट पर पिस्टल तान गर्दन पर चाकू से ताबड़तोड़ वार, एक हमलावर काबू

पानीपत। हरियाणा के पानीपत जिला अदालत परिसर में चल रहे अधिवक्ताओं के शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान उस वक्त सनसनी फैल गई, जब दो बेखौफ युवकों ने एक वकील पर जानलेवा हमला कर दिया। हमलावरों ने पहले अधिवक्ता पर अवैध पिस्टल तानी और फिर चाकू निकालकर उनकी गर्दन पर ताबड़तोड़ कई वार कर दिए। दिग्दहाड़े और अदालत परिसर जैसी अति-सुरक्षित जगह पर हुए इस खूनी हमले से वकीलों और आम लोगों में भारी अफरा-तफरी मच गई। लहलुहान हालत में अधिवक्ता को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना के वक्त घायल अधिवक्ता के पिता और भाई भी मौके पर मौजूद थे। उन्होंने जान पर खेलकर हमलावरों का मुकाबला किया और किसी तरह अधिवक्ता को उनके चंगुल से छुड़ाया। वारदात को अंजाम देकर दोनों हमलावर भीड़ का फायदा उठाते हुए भागने लगे। हालांकि, वहां प्रदर्शन कर रहे अन्य अधिवक्ताओं ने हिम्मत दिखाते हुए पीछा किया।

प्रदेश अध्यक्ष पद से राजा वडिंग का इस्तीफा, अब रस में सिंगला का नाम सबसे आगे

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले कांग्रेस में बड़ा संगठनात्मक बदलाव हुआ है। पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस हाईकमान ने प्रदेश संगठन में बदलाव का फैसला लिया था, जिसके बाद वडिंग ने इस्तीफे की पेशकश की। वडिंग ने अप्रैल 2022 में पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष का पद संभाला था। सूत्रों के अनुसार, पंजाब कांग्रेस प्रभारी सचिन नायलट की संगठनात्मक रिपोर्ट के बाद नेतृत्व परिवर्तन को लेकर हाईकमान में चर्चा हुई। रिपोर्ट में प्रदेश संगठन को लेकर नेताओं और कार्यकर्ताओं से मिले फीडबैक को शामिल किए जाने की बात सामने आई है।

कर्नाटक के चित्रदुर्ग में सरकारी बस की लॉरी से टक्कर झाड़वर समेत दो की मौत

चित्रदुर्ग। कर्नाटक के चित्रदुर्ग में सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। नेशनल हाईवे 48 पर तेज रफ्तार सरकारी बस ने यूरिया ले जा रही एक लॉरी को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण टक्कर में बस झाड़वर समेत दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 6 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, यह हादसा चित्रदुर्ग के बाहरी इलाके में नेशनल हाईवे 48 पर उपाध्याय होटल के पास हुआ। राजहंस परिवहन कंपनी की एक बस तेज गति से जा रही थी। सामने यूरिया खाद से लदी एक लॉरी चल रही थी, जो दावणगिरे से बेंगलुरु की ओर जा रही थी। बताया जा रहा है कि बस झाड़वर ने तेज रफ्तार के कारण लॉरी को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया।

भारतीय महिला हॉकी टीम का ऐतिहासिक कारनामा

भारत ने रचा इतिहास-चीन को 1-0 से हराकर जीता हॉकी गोल्ड मेडल

नई दिल्ली/ एजेंसी

एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला हॉकी टीम ने इतिहास रच दिया है। जापान के नागोया में खेले गए गोल्ड मेडल मुकाबले में भारत ने दुनिया की नंबर-4 टीम और मौजूदा एशियन चैंपियन चीन को 1-0 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। लालरेमसियामी ने 10वें मिनट में दागा गोल पूरे मुकाबले का निर्णायक गोल साबित हुआ। भारतीय डिफेंस और गोलकीपर सविता पुनिया ने इसके बाद चीन के लगातार हमलों को रोकते हुए बढ़त को अंत तक कायम रखा। इस जीत के साथ भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशियन गेम्स गोल्ड का 44 साल पुराना इंतजार खत्म कर दिया। भारत ने इससे पहले 1982 में नई दिल्ली में महिला हॉकी का स्वर्ण पदक जीता था। यह एशियन गेम्स में भारत का दूसरा महिला हॉकी गोल्ड मेडल है। भारत ने 1998 और 2018 में सिल्वर, जबकि 1986, 2006, 2014 और 2023 में ब्रॉन्ज मेडल भी जीते हैं। भारत की इस ऐतिहासिक जीत का असर सिर्फ एशियन गेम्स तक सीमित नहीं है। गोल्ड मेडल जीतने के साथ भारत ने लॉस एंजिल्स 2028 ओलिंपिक के लिए सीधे क्वालिफिकेशन हासिल



कर लिया है। लंबे इंतजार के बाद मिला यह स्वर्ण पदक भारतीय महिला हॉकी के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बन गया है। टूर्नामेंट में भारत की ओर से दीपिका 21 गोल के साथ टॉप स्कोरर रहीं। उनके बाद भारतीय टीम की नवनीत कौर ने 10 गोल किए, जबकि चीन की जियाकी झोंग 9 गोल के साथ सूची में तीसरे स्थान पर रहीं। फइनल में हालांकि भारत के लिए लालरेमसियामी का गोल ही निर्णायक रहा और टीम ने पूरे मुकाबले में अपनी बढ़त बचाए रखी। भारतीय महिला हॉकी टीम ने मैच की शुरुआत से ही चीन पर अपना दबदबा बनाए रखा। हालांकि, खेल के छठे मिनट में बलजीत कौर को ग्रीन कार्ड मिला, फिर भी

टीम ने अपना हमला जारी रखा। मैच के 10वें मिनट में लालरेमसियामी ने एक शानदार फिफ्ट गोल करके भारत को 1-0 से बढ़त दिला दी। यह लालरेमसियामी का 200वां इंटरनेशनल मैच था। इसके बाद भारत को गोल करने का एक और मौका (पेनल्टी कॉर्नर) मिला, लेकिन टीम उसे गोल में बदलने से चूक गई। इसके बावजूद, भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर के अंत तक अपनी 1-0 की बढ़त कायम रखी। मैच के दूसरे क्वार्टर में चीन ने बेहद आक्रामक खेल दिखाया और लगातार भारतीय टीम पर दबाव बनाए रखा। चीन को मैच में बराबरी करने का सबसे बड़ा मौका तब मिला, जब उन्हें एक पेनल्टी स्ट्रोक मिला।

एशियन गेम्स में भारतीय मुक्केबाजों ने रचा इतिहास, 3 गोल्ड समेत मिले कुल 6 पदक



एशियन गेम्स में भारतीय बॉक्सिंग का अभियान गोल्डन अंबाज में समाप्त हो गया है। एशियन गेम्स के 13वें दिन यानी आज 2 अक्टूबर को भारतीय मुक्केबाजों ने बॉक्सिंग के फ्लिनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 3 स्वर्ण और 3 कांस्य पदक अपने नाम किए। स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ियों में अंकुश पंगत के अलावा तपतीना बोसगोरेन और परवीन हुसैन शामिल रहे। आपको बता दें कि, 80 किलोग्राम वर्ग के फ्लिनल मुकाबले में भारत के खिलाड़ी अंकुश पंगत ने दक्षिण कोरिया के मुक्केबाज किम मिनसोंग को 4-0 से करारी शिकस्त देकर गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया। एशियन गेम्स में अंकुश का यह पहला गोल्ड मेडल है, वहीं पुरुषों की मुक्केबाजी में भारत को पूरे 8 साल बाद कोई गोल्ड मिला है।

ज्ञानेश के खिलाफ सुको पहुंची याचिका

एसआईटी जांच से फारेंसिक ऑडिट तक 5 को होगी सुनवाई

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दर्ज कराई गई है। सुप्रीम कोर्ट 5 अक्टूबर को उन याचिकाओं पर सुनवाई करेगा। इस याचिका में स्पेशल इंटेर्सिव रिविजन के सिलसिले में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा कथित तौर पर एकतरफा लिए गए फैसलों और की गई कार्रवाइयों को चुनौती दी गई है। इस मामले की सुनवाई सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच करेंगी। इस बेंच में जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना शामिल हैं। इन याचिकाओं में अन्य राहतों के अलावा, सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में न्यायिक जांच या एसआईटी के गठन, ECINet और ERONet के फॉरेंसिक ऑडिट, और सीईसी व अन्य अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है।

एक याचिका में यह भी मांग की गई है कि जब तक यह मामला लॉबित है, तब तक ज्ञानेश कुमार को दृष्टि के तौर पर काम करने से रोका जाए। याचिका में कहा गया है कि चुनाव आयोग के भीतर सामूहिक निर्णय लेने की व्यवस्था लागू होनी चाहिए और सवाल उठाया गया है कि क्या



चुनाव आयोग की शक्तियों का इस्तेमाल

याचिकाकर्ता ने मांग की, कि अनुच्छेद 324 के तहत चुनाव आयोग को सौंपी गई शक्तियों का इस्तेमाल सख्ती से आयोग के संवैधानिक और कानूनी ढांचे के अनुसार किया जाए। इसके अलावा, सामूहिक निर्णय लेने की व्यवस्था का पालन सुनिश्चित करने और विवादग्रस्त निर्णयों से संबंधित रिपोर्टों को सुरक्षित रखने की मांग की गई है। इस बीच, चुनाव आयोग का कहना है कि आयुक्तों के बीच विचारों में अंतर को संरक्षित 'द्वार' नहीं कहा जा सकता है।

सीईसी ज्ञानेश कुमार अकेले उन शक्तियों का इस्तेमाल कर सकते हैं जो संवैधानिक रूप से पूरे चुनाव आयोग को सौंपी गई हैं। याचिका में तर्क दिया गया है कि संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत, चुनावों की देखरेख, निर्देशन और नियंत्रण 'आयोग' में निहित है।

सारण में तटबंध क्षतिग्रस्त होने के बाद कई इलाके बाढ़ की चपेट में, हाइवे तक पहुंचा पानी

छपरा। बिहार के सारण जिले में तटबंध क्षतिग्रस्त होने के बाद बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। मकरे प्रखंड में तटबंध टूटने से बड़ी मात्रा में पानी फैल गया है। इससे मकरे प्रखंड की सभी पंचायतों और अमनौर प्रखंड की कुछ पंचायतें प्रभावित हुई हैं। पानी का तेज बहाव परसा प्रखंड की ओर भी हो रहा है। वहीं, बाढ़ का पानी कुछ स्थानों पर एनएच-722 पर चढ़ जाने से आवागमन और संपर्कता प्रभावित हुई है।



मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

विरोध प्रदर्शनों के बीच चुनाव आयोग का बड़ा फैसला

एसआईआर के बाद छूटे नामों की होगी पहचान-ईसी घर-घर जाकर जोड़ेगा नाम

नई दिल्ली/ एजेंसी

देश में एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) को लेकर जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच चुनाव आयोग ने मतदाता सूची को लेकर बड़ा कदम उठाया है। आयोग ने एसआईआर की प्रक्रिया पूरी कर चुके राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में छूटे हुए पात्र मतदाताओं और पहली बार वोट देने वाले युवाओं के लिए विशेष अभियान चलाने का

निर्देश दिया है। इसके तहत बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे और पात्र लोगों को फॉर्म-6 के जरिए मतदाता सूची में शामिल कराने में मदद करेंगे। आयोग के 1 अक्टूबर 2026 के निर्देश के मुताबिक, बीएलओ प्री-एसआईआर मतदाता सूची और मौजूदा मतदाता सूची की तुलना करेंगे। इस दौरान ऐसे लोगों की पहचान की जाएगी, जिनका नाम पहले की मतदाता सूची

में था, लेकिन वर्तमान सूची में नहीं है। इसके अलावा पहली बार मतदान के पात्र हुए युवाओं और अन्य पात्र नागरिकों को भी इस विशेष अभियान में शामिल किया जाएगा। चुनाव आयोग के निर्देश में कहा गया है कि एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान बीएलओ ने अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और दोहरे मतदाताओं की सूची तैयार की थी। अब विशेष अभियान के दौरान मौजूदा मतदाता सूची की तुलना प्री-



एसआईआर सूची से की जाएगी। इससे ऐसे मतदाताओं की पहचान की जाएगी: जिनका नाम प्री-एसआईआर सूची में था, लेकिन वर्तमान सूची में नहीं है। जो एसआईआर के दौरान मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पाए। जो पहली बार मतदान के पात्र हुए हैं। ऐसे युवा और अन्य पात्र नागरिक जिनका नाम अभी मतदाता सूची में दर्ज नहीं है। आयोग ने कहा है कि विशेष अभियान का उद्देश्य ऐसे पात्र

मतदाताओं की पहचान कर उन्हें नामांकन की सुविधा उपलब्ध कराना है। इस अभियान की सबसे महत्वपूर्ण बात घर-घर जाकर सत्यापन है। बीएलओ संबंधित मतदाताओं के घर जाकर उनकी वर्तमान स्थिति की जानकारी लेंगे। यदि व्यक्ति पात्र पाया जाता है तो उसके नाम को मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए फॉर्म-6 के माध्यम से आवेदन कराने में सहायता की जाएगी।

मच्छर ने सुनाई खौफनाक आपबीती

संकट में पड़ा हनुमान चालीसा पीएम मोदी बोले-आप पर गर्व है

नई दिल्ली/ एजेंसी



फ्लाईडुबई की दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाइट ७1073 में बुधवार को हुए गंभीर कॉकपिट हमले के बाद भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से वीडियो कॉल पर पूरी घटना का अनुभव साझा किया। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद स्मित ने कॉकपिट का दरवाजा खोलने में सफलता हासिल की, जिसके बाद यात्रियों और कर्क ने हमलावर को काबू करने में मदद की। विमान में 174 लोग सवार थे और बाद में इसे सऊदी अरब के तबुक में सुरक्षित उतारा गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कैप्टन स्मित मच्छर से वीडियो कॉल पर बातचीत की और संकट के दौरान उनके साहस, सूझबूझ और संयम की सराहना की। बातचीत के दौरान स्मित भावुक हो गए। उन्होंने प्रधानमंत्री से कहा कि उनसे बात करना उनके लिए बेहद खास और गर्व का क्षण है। उन्होंने मोदी को अपना बड़ा आदर्श बताया। कैप्टन

स्मित ने मोदी को बताया कि मुश्किल समय में वह हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं। घटना के दौरान भी वह लगातार हनुमान चालीसा पढ़ रहे थे। उन्होंने बताया कि हमले के बाद वह घायल होकर गिर गए थे, लेकिन उन्हें पता था कि विमान में क्या हो रहा है और उनके पास कार्रवाई करने के लिए बहुत कम समय था। इसके बाद उन्होंने खुद को संभाला और कॉकपिट का दरवाजा खोल दिया। रिपोर्टों के मुताबिक, विमान के कॉकपिट में सह-पायलट ने कैप्टन स्मित पर हमला किया। इस दौरान विमान की ऊंचाई में भी अचानक बढ़ी गिरावट आई। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद स्मित कॉकपिट का दरवाजा खोलने में सफल रहे।

ओडिशा से प्रयागराज ले जा रहे थे गांजा

मिर्ची की बोरियों की आड़ में गांजा तस्करी,दो करोड़ के गांजा के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

जशपुर। नशे के खिलाफ जशपुर पुलिस के ऑपरेशन आघात के तहत बड़ी कार्रवाई सामने आई है। लावाकेरा पुलिस चेंकिंग बैरियर पर पुलिस ने मिर्ची की बोरियों के नीचे छिपाकर ले जाया जा रहा 440.63 किलो अवैध गांजा बरामद किया है। पुलिस ने मामले में उत्तरप्रदेश के प्रयागराज निवासी दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत करीब 2 करोड़ 20 लाख 31 हजार 500 रुपये है। पुलिस के मुताबिक, 2 अक्टूबर 2026 की सुबह करीब 9 बजे एंटी नारकोटिक्स और थाना तपकरा पुलिस की संयुक्त टीम लावाकेरा चेंकिंग बैरियर पर संदिग्ध वाहनों की जांच कर रही थी। इसी



दौरान ओडिशा की ओर से आ रहे टाटा आईसर मिनी ट्रक क्रमांक पी-71-टी-6592 को संदेह के आधार पर रोका गया। वाहन में सवार दो

व्यक्तियों ने अपना नाम मो. वसीम (28) और मो. आसिफ (34) बताया। दोनों प्रयागराज, उत्तरप्रदेश के रहने वाले हैं। पृष्ठच्छ में उन्होंने ट्रक में मिर्ची की बोरियां लोड होने और उन्हें ओडिशा से उत्तर प्रदेश ले जाने की बात कही। संदेह होने पर पुलिस ने वाहन में लदे सामान की बारीकी से जांच की। ऊपर की ओर मिर्ची की बोरियां मिलीं, जिन्हें हटाने पर नीचे रखी बोरियां में टेप से लिपटे पैकेट दिखाई दिए। पैकेट खोलकर जांच करने पर उनमें गांजा मिला। पुलिस ने गवाहों की मौजूदगी में जांच की तो 14 बोरियों में कुल 440 पैकेट गांजा बरामद हुआ, जिसका वजन 440.63 किलोग्राम निकला।

बसपा में फिर खेला बुआ कार्ड

कभी किसी और पार्टी में नहीं जाऊंगा-आनंद

नई दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के भीतर पिछले कुछ समय से चल रही चर्चाओं और राजनीतिक हलचल के बीच पूर्व राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद ने आखिरकार अपनी चुप्पी तोड़ दी है। शुक्रवार को सोशल मीडिया के माध्यम से उन्होंने अपने बयानों से सभी तरह की अफवाहों पर विराम लगा दिया है। आकाश आनंद ने साफ तौर पर कहा कि वह न तो किसी दूसरे राजनीतिक दल में जा रहे हैं और न ही कभी भविष्य में



जाएंगे। उन्होंने पार्टी सुप्रीमो मायावती को अपनी राजनीतिक गुरु, प्रेरणा और बुआ के रूप में याद करते हुए उनके प्रति अपनी पूरी निष्ठा दोहराई है।

संक्षिप्त समाचार

सस्ते डीजल का झांसा देकर
1.08 लाख रुपए की ठगी

रायपुर। सस्ते दाम पर डीजल उपलब्ध कराने का झांसा देकर रामानुजगंज निवासी युवक से 1 लाख 8 हजार रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। अज्ञात व्यक्ति ने फोन पर 80 रुपये प्रति लीटर डीजल देने का झांसा दिया और पेट्रोल पंप बुलाकर क्यूआर कोड के जरिए रकम ट्रांसफर करा ली। इसके बाद मोबाइल बंद कर दिया। पीछित ने रामानुजगंज थाने में शिकायत दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस को दिए आवेदन के अनुसार, गौरव कुमार गुप्ता को 29 सितंबर की सुबह करीब 9 बजे दो अलग-अलग मोबाइल नंबरों से कॉल आया। कॉल करने वाले ने 80 रुपये प्रति लीटर की दर से डीजल उपलब्ध कराने की बात कही। इसके बाद गौरव पिकअप वाहन में गैलन लेकर उसके बताए अनुसार 12वीं बटालियन पेट्रोल पंप पहुंचा। आवेदन के मुताबिक, अज्ञात व्यक्ति ने गौरव के मोबाइल से पेट्रोल पंप स्टॉफ से बात की और पिकअप में रखे गैलन व ड्रम में कुल 1353 लीटर डीजल भरवा दिया। भुगतान के समय आरोपी ने गौरव से कहा कि पहले उसके भेजे क्यूआर कोड पर 1.08 लाख रुपये ट्रांसफर करें, जिसके बाद वह पेट्रोल पंप का भुगतान कर देगा। गौरव ने दो क्यूआर कोड के माध्यम से फोन-पे से कुल 1,08,000 रुपये ट्रांसफर कर दिए।

ताड़ोकी में दुकान में सेंधमारी
कर चोरी, 2 घंटे में 25 हजार का सामान बरामद

रायपुर। थाना ताड़ोकी पुलिस ने दुकान में सेंधमारी कर मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक सामान चोरी करने के मामले का त्वरित खुलासा करते हुए करीब दो घंटे के भीतर चोरी का सामान बरामद किया है। मामले में दो विधि संघर्षरत बालकों को अभिरक्षा में लेकर किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया गया। पुलिस के अनुसार, 28 सितंबर को ताड़ोकी निवासी कमलेश देवांगन ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि अज्ञात व्यक्ति ने उनकी दुकान में सेंधमारी कर मोबाइल और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान चोरी कर लिया है। रिपोर्ट पर थाना ताड़ोकी में अपराध क्रमांक 10/2026 के तहत धारा 305(अ), 331(4) बीएनएस में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। विवेचना के दौरान पुलिस को मिली सूचना के आधार पर दो विधि संघर्षरत बालकों को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में घटना में सलिस्ता सामने आने के बाद उनकी निशानदेही पर चोरी किए गए मोबाइल और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान बरामद किए गए। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त लोहे का सब्बल और हीरो एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल भी जब्त की है। ये सामान हुआ बरामद पुलिस ने एक Snexon Bold T450 मोबाइल, दो Redmi मोबाइल, एक ज़ाब्र ट्रिपर, एक Xiaomi पावर बैंक, एक लोहे का सब्बल और एक हीरो एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल बरामद की है। बरामद एवं जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत करीब 25 हजार रुपये बताई गई है।

ऐरंबोर पोटाकेबिन में पहली कक्षा की छात्रा की मौत, जांच के निर्देश

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के ऐरंबोर पोटाकेबिन में पहली कक्षा की छात्रा की मौत का मामला सामने आया है। छात्रा को गंभीर हालत में छात्रावास से घर लाया गया था, जहां उसकी मौत हो गई। परिजनों ने छात्रावास अधीक्षिका पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है। मामले में जिला शिक्षा अधिकारी ने जांच के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार, मेट्टागुड़ा निवासी मड़ुकम देवे काँय विकासखंड क्षेत्र के ऐरंबोर पोटाकेबिन में अध्ययनरत थी। पिछले कुछ दिनों से उसकी तबीयत खराब थी। सूचना मिलने पर परिजन 27 सितंबर को उसे घर ले जाने के लिए छात्रावास पहुंचे। उस समय छात्रा की हालत गंभीर बताई गई। बाढ़ के कारण रास्ता बाधित होने से परिजन उसे तत्काल घर नहीं ला सके। बाद में गंभीर हालत में छात्रा को घर लाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। घटना के बाद परिजनों ने छात्रावास प्रबंधन और अधीक्षिका पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि छात्रा की बिगड़ती तबीयत को गंभीरता से नहीं लिया गया और इलाज में लापरवाही बरती गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। इसके लिए जांच टीम गठित की गई है। जांच के बाद ही छात्रा की मौत के कारणों और लगाए गए आरोपों की स्थिति स्पष्ट होगी।

ट्रैक्टर की टक्कर से स्कूटी सवार की मौत

रायपुर। गोबरा नवापारा नगर के मैडम चौक के पास बुधवार सुबह ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से स्कूटी सवार 60 वर्षीय अख्तर अली की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर लिया है, जबकि चालक की तलाश की जा रही है। जानकारी के अनुसार अख्तर अली राजिम के मस्तान शाह दरगाह के पास रहते थे। बुधवार सुबह करीब 11 बजे वे स्कूटी क्रमांक सीजी 04 डीजेड 4083 से जा रहे थे। इसी दौरान मैडम चौक के पास ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि अख्तर अली ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही गोबरा नवापारा पुलिस मौके पर पहुंची।

छत्तीसगढ़ की पुरातात्विक धरोहरों में बढ़ेगी पर्यटक सुविधाएं

मौलिकता को सुरक्षित रखते हुए विरासत पर्यटन को मिलेगा एक नया आयाम...

■ भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण और छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति विभाग के बीच महत्वपूर्ण एमओयू

■ संरक्षित स्मारकों और पुरातात्विक स्थलों पर पेयजल, विश्राम स्थल, कैफेटेरिया, पार्किंग, साइट म्यूजियम सहित विकसित होगी आधुनिक सुविधाएं

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ की समृद्ध पुरातात्विक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के साथ प्रदेश में विरासत पर्यटन को नई दिशा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हुई है। भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (एएसआई), भारत सरकार और संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के मध्य बुधवार को महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) सम्पन्न हुआ। इस समझौते के माध्यम से



प्रदेश के संरक्षणधीन स्मारकों और पुरातात्विक स्थलों पर पर्यटकों के लिए आवश्यक सुविधाओं एवं अधोसंरचना का सुनियोजित विकास किया जाएगा। समझौते के तहत छत्तीसगढ़ शासन द्वारा भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण के अधिकारियों के परामर्श से संरक्षणधीन स्मारकों एवं पुरातात्विक स्थलों के लिए पर्यटक सुविधाओं के समुचित विकास की योजनाएं तैयार की जाएंगी। इन योजनाओं के माध्यम से पुरातात्विक स्थलों पर आने वाले पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ पर्यटन अनुभव को अधिक सुविधाजनक बनाने

ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक महत्व के स्मारकों की मौलिकता और उनके मूल स्वरूप को सुरक्षित रखने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। प्रस्तावित विकास कार्यों की डिजाइन, निर्माण सामग्री एवं संरचना इस प्रकार निर्धारित की जाएगी कि संबंधित स्मारक को किसी भी प्रकार की क्षति न पहुंचे। सभी कार्य पुरातत्त्ववीय अधिनियमों और नियमों के अनुरूप किए जाएंगे। परियोजनाओं का क्रियान्वयन भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण की स्वीकृति प्राप्त होने के बाद ही किया जाएगा। पुरातात्विक स्थलों पर प्रस्तावित पर्यटक सुविधाओं एवं अधोसंरचना विकास के लिए संसाधन जुटाने की भी व्यापक व्यवस्था की गई है। परियोजनाओं के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता के साथ राज्य शासन की एजेंसियों, कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) तथा पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) के माध्यम से संसाधन जुटाए जा सकेंगे। विकसित सुविधाओं के रखरखाव और प्रबंधन की जिम्मेदारी छत्तीसगढ़ शासन अथवा शासन द्वारा अधिकृत एजेंसी की होगी।

रायपुर में सफाई व्यवस्था होगी अधिक पारदर्शी और परिणाम आधारित-आयुक्त

■ शहर को चार वलस्टर में बांटकर 5,000 से अधिक बीट की होगी दैनिक निगरानी

रायपुर। संवाददाता

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ रायपुर में सफाई व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और परिणाम आधारित बनाने के लिए व्यापक बदलाव किए जा रहे हैं। रायपुर नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा ने पत्र सूचना कार्यालय, रायपुर द्वारा आयोजित घटना में प्रयुक्त लोहे का सब्बल और हीरो एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल भी जब्त की है। ये सामान हुआ बरामद पुलिस ने एक Snexon Bold T450 मोबाइल, दो Redmi मोबाइल, एक ज़ाब्र ट्रिपर, एक Xiaomi पावर बैंक, एक लोहे का सब्बल और एक हीरो एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल बरामद की है। बरामद एवं जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत करीब 25 हजार रुपये बताई गई है।

अंतर्गत देश के 50 शहरों का चयन इस उद्देश्य से किया गया है कि वहां स्वच्छता इस स्तर की हो कि शहर में आने वाले व्यक्ति को स्वच्छता स्पष्ट रूप से दिखाई दे। छत्तीसगढ़ से रायपुर और बिलासपुर को इन शहरों में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप रायपुर को विश्वस्तरीय शहर की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए नियमित सफाई व्यवस्था से आगे बढ़कर ऐसी प्रणाली विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसका परिणाम जमीन पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे। उन्होंने बताया कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 में कचरे के स्रोत पर पृथकरण को और अधिक व्यापक बनाया गया है। अब गीले और सूखे कचरे के साथ सैनिटरी कचरे तथा विशेष देखभाल वाले कचरे को भी अलग रखने पर जोर दिया गया है। सैनिटरी कचरे में डायपर और सैनिटरी पैड जैसी वस्तुएं शामिल हैं, जबकि विशेष देखभाल वाले कचरे में बैटरी, बल्ब, ट्यूब लाइट, पारा धर्मागोटीर और ऐसी अन्य वस्तुएं शामिल हैं।

बच्चों का भविष्य संवारने में जुटी रोशनी

दिव्यांग सहायता योजना से संकट की घड़ी में मिला संबल

■ पति के आकस्मिक निधन के बाद परिवार की जिम्मेदारी संभाल रही रोशनी को मिली एक लाख रुपए की सहायता

रायपुर/ संवाददाता

जीवन में अचानक आई कठिन परिस्थितियों के बीच शासन से मिली आर्थिक सहायता ने नगर पालिका परिषद गौरैला निवासी श्रीमती रोशनी रोहनी को अपने

सहायता राशि ने परिवार को आर्थिक सहारा प्रदान किया। श्रीमती रोशनी रोहनी के पति श्रम विभाग में निर्माण श्रमिक के रूप में पंजीकृत थे। उनके आकस्मिक निधन के बाद परिवार के सामने आजीविका के साथ बच्चों की पढ़ाई जारी रखने की चिंता भी खड़ी हो गई। इस कठिन परिस्थिति में योजना के तहत एक लाख रुपए की आर्थिक सहायता मिलने से परिवार को तत्काल जरूरतों को पूरा करने और आगे की व्यवस्था बनाने में मदद मिली। श्रीमती रोशनी के लिए यह सहायता बच्चों की शिक्षा को निरंतर जारी रखने का माध्यम भी बनै है।



बच्चों के भविष्य को संवारने का संबल दिया है। पति के आकस्मिक निधन के बाद परिवार की पूरी जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई। ऐसे मुश्किल समय में श्रम विभाग की दिव्यांग सहायता योजना के अंतर्गत मिली एक लाख रुपए की

सेवा संकल्प अभियान : सेवा का मान, स्वच्छताकर्मियों का सम्मान

मंत्री राजेश अग्रवाल ने उपहार और प्रशस्ति पत्र देकर जताया आभार

■ स्वच्छ और स्वस्थ समाज की नींव स्वच्छताकर्मियों के परिश्रम पर टिकी है, उनकी सेवा का सम्मान हम सभी का दायित्व – राजेश अग्रवाल

रायपुर/ संवाददाता

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सरगुजा जिले के नगर पंचायत लखनपुर में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे स्वच्छता कर्मचारियों का सम्मान किया गया। स्वच्छताकर्मियों को उनके समर्पण और सेवाभाव के लिए उपहार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके योगदान के प्रति आधार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर पर्यटन

एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि स्वच्छ और स्वस्थ समाज की नींव हमारे स्वच्छता कर्मियों के अथक परिश्रम पर टिकी है। जब शहर और गांव की अधिकांश आबादी अपने दिन की शुरुआत भी नहीं करती, उससे पहले स्वच्छता कर्मचारी सड़कों, गलियों और सार्वजनिक स्थलों की सफाई में जुट जाते हैं। उनका यह कार्य केवल आजीविका का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के स्वास्थ्य और बेहतर जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण सेवा है। श्री अग्रवाल ने कहा कि स्वच्छताकर्मों हर मौसम और अनेक कठिन परिस्थितियों के बीच अपने दायित्वों का निर्वहन करते हैं। शहर की स्वच्छता, सुंदरता और नागरिकों के स्वास्थ्य को बनाए रखने में उनका योगदान महत्वपूर्ण है। उनके श्रम और सेवाभाव के प्रति सम्मान व्यक्त करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य समाज में सेवा,



सहभागिता और जिम्मेदारी की भावना को और मजबूत करना है। जो लोग प्रतिदिन अपने परिश्रम से हमारे आसपास के परिवेश को स्वच्छ रखते हैं, उनकी सेवाओं को पहचान और सम्मान मिलना चाहिए। स्वच्छता कर्मियों का सम्मान उनके कार्य के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने

के साथ समाज में श्रम के सम्मान का संदेश भी देता है। श्री अग्रवाल ने कहा कि सुबह की पहली किरण से पहले जो हाथ हमारी गलियों और सार्वजनिक स्थलों को साफ करने में जुट जाते हैं, उनके परिश्रम के कारण ही हमें स्वच्छ वातावरण मिलता है। उनकी सेवा का सम्मान ही

हितग्राहियों को एक ही स्थान पर मिली खाद्य योजनाओं की जानकारी और सेवाएं

रायपुर। संवाददाता

सेवा संकल्प अभियान के तहत आज नगर पालिका आरंग के टाउन हाल में सेवा सेतु कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में खाद्य विभाग से संबंधित विभा योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी आम नागरिकों और हितग्राहियों को उपलब्ध कराने के साथ ही राशन कार्ड से संबंधित आवश्यक प्रक्रियाएं मौके पर पूरी की गईं। कैंप में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण आ योजना, वन नेशन-वन राशन कार्ड योजना, राशन कार्ड की पात्रता तथा शिकायत निवारण से संबंधित जानकारी हितग्राहियों को दी गई। इसके साथ ही राशन कार्ड में पंजीकृत सदस्यों की ई-केवाईसी, आधार सीडिंग और मोबाइल नंबर सीडिंग की कार्रवाई भी की गई। हितग्राहियों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम एवं राज्य योजना के अंतर्गत राशन कार्ड के लिए आनलाइन आवेदन की प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों ने नए राशन कार्ड के आवेदन के लिए आवश्यक

दस्तावेजों, पात्रता और आनलाइन प्रक्रिया की जानकारी देकर नागरिकों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। इस अवसर पर खाद्य विभाग की संचालक डा. परिहा आलम ने सेवा सेतु कैंप का निरीक्षण किया। उन्होंने कैंप में पहुंचे हितग्राहियों से सीधे संवाद कर सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत मिलने वाले राशन, वितरण व्यवस्था तथा ई-केवाईसी की स्थिति के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने हितग्राहियों से योजनाओं और सेवाओं का फीडबैक भी प्राप्त किया। संचालक डा. आलम ने मौके पर उपस्थित खाद्य नियंत्रक भूपेंद्र मिश्रा तथा खाद्य निरीक्षकों से सार्वजनिक वितरण प्रणाली के वर्तमान क्रियान्वयन की जानकारी ली। उन्होंने मैदानी स्तर पर आने वाली समस्याओं और उनके निराकरण के संबंध में अधिकारियों से चर्चा करते हुए हितग्राहियों को खाद्या वितरण एवं राशन कार्ड से जुड़ी सेवाएं सुगमता से उपलब्ध कराने पर जोर दिया। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित यह कैंप नागरिकों के लिए उपयोगी साबित हुआ।



राज्योत्सव एवं वृद्धजन दिवस की तैयारियों की समीक्षा, डिजिटल क्रॉप सर्वे में शत-प्रतिशत लक्ष्य के निर्देश

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आज रेडक्रॉस सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक ली। बैठक में उन्होंने विभिन्न विभागों के समय-सीमा के लंबित प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की। कलेक्टर डॉ. सिंह ने राजस्व विभाग को निर्देशित किया कि अविवादित खाता विभाजन, विवादित/अविवादित नामांतरण के दर्ज प्रकरणों का शीघ्र निराकरण किया जाए। साथ ही किसान पंजीयन और पीजी पोर्टल पर लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आरबीसी 6(4) के सभी प्रकरणों को जल्द से जल्द पूर्ण करने के भी निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने एग्रीस्टेक के अंतर्गत डिजिटल क्रॉप सर्वे की प्रगति परखी और फील्ड स्तर पर शत-प्रतिशत सर्वे सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फर्मर आईडी (फर्मर रजिस्ट्री) के कार्यों की भी समीक्षा की। बैठक में अंतर विभागीय एनओसी से संबंधित प्रकरणों की भी समीक्षा की गई।

श्रीमती यशोदा बाई के परिवार को मिला सुरक्षित आशियाना

■ प्रधानमंत्री आवास योजना ने बदली ज़िंदगी, कच्चे मकान की परेशानियों से मिली मुक्ति

रायपुर। संवाददाता

कभी बारिश के दिनों में टपकती छत और कच्चे मकान की परेशानियों के बीच जीवन गुजारने वाली भोपालपटनम निवासी यशोदा का अपना पक्का मकान बनाने का सपना अब साकार हो गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मिली सहायता और परिवार की मेहनत से आज उनका परिवार सुरक्षित एवं सुविधाजनक पक्के

आवास में खुशहाल जीवन बिता रहा है। नगरीय क्षेत्र भोपालपटनम के वार्ड क्रमांक 15 निवासी तोटापल्ली यशोदा, पति तोटापल्ली राजू, अपने पति और बेटे के साथ एक छोटे से कच्चे मकान में रहती थीं। सीमित आय के कारण परिवार के लिए पक्का मकान बनाना आसान नहीं था। बरसात के दिनों में छत से पानी टपकने के साथ ही कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता था। वर्षों तक परिवार इन्हीं परिस्थितियों में जीवन गुजारता रहा। यशोदा को नगर पंचायत भोपालपटनम के अधिकारियों एवं प्रधानमंत्री आवास योजना की टीम से योजना के बीएलसी घटक अंतर्गत 'मोर जमीन-मोर मकान' के बारे में जानकारी मिली। आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर उनका आवेदन तैयार किया गया।

संपादकीय

आतंकियों को पाल-पोस कर उन्हें पड़ोसी देशों के खिलाफ आजाद की तरह इस्तेमाल करने वाले पाकिस्तान के लिए भी अब यह हथियार सबसे बड़ा खतरा बनता जा रहा है। आतंकी हिंसा ने उसकी आंतरिक सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और सामाजिक स्थिरता के लिए चुनौती पैदा कर दी है। इसी क्रम में बीते शकवार को पाकिस्तान के कोहाट

जिले में जुमे की नमाज के दौरान आतंकियों ने पहले एक मस्जिद के पास विस्फोटक से लदे वाहन में धमाका किया और फिर पास के पुलिस ठिकानों पर हमला किया, जिसमें कम से कम इक्कीस लोगों की मौत हो गई और सी से अधिक घायल हो गए। मृतकों में ज्यादातर पुलिसकर्मी थे। सवाल है कि आतंकी संगठनों को खुदा करने

और वित्तपोषण के जरिए उनकी जड़ों को मजबूत करने में जुटे पाकिस्तान को क्या इसका जरा भी आभास नहीं था कि एक दिन यही आतंकवाद पलट कर उसे भी निशाना बना सकता है? वहाँ के सत्ताधारियों ने राजनीतिक लाभ के लिए जिन छद्म नीतियों का सहारा लिया, उसका खमियाजा अब अदाम को भी भुगतना पड़ रहा है। इस बात

पर गौर करना भी जरूरी है कि पाकिस्तान में आतंकी हिंसा की यह स्थिति अचानक पैदा नहीं हुई है। उसकी नीतियों में आतंकी संगठनों के बीच भेद करने की प्रवृत्ति वर्षों से दिखाई देती रही है। ऐसे आरोप लगाने रहे हैं कि जिन आतंकी संगठनों को पाकिस्तान ने भारत या अफगानिस्तान के खिलाफ खड़ा किया, उन्हें आतंकवाद की परिभाषा

से बाहर रखा गया, जबकि जिन्होंने सत्ता की नीतियों के तय ढांचे के विपरीत नए आतंकी संगठन बना लिए, उन्हें देश की सुरक्षा के लिए खतरा करार दिया गया। खबरों के मुताबिक, कोहाट में मस्जिद के पास हमले की जिम्मेदारी जिस आतंकी संगठन ने ली है, उसका गठन पिछले साल अप्रैल में ही हुआ था। इससे स्पष्ट है कि वहां नए-नए

आतंकी समूहों के पनपने का सलसिला लगातार जारी है। पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी बुद को आतंकवाद से परिचित बनाता रहा है, लेकिन उस यह कहने की स्वीकार करना होगा कि जब तक वह अपनी सहायित के हिसाब से आतंकवाद को अच्छा और बुरा मानता रहेगा, तब तक इस संकट का समाधान संभव नहीं है।

यह लिखते हुए गर्व महसूस होता है कि भारतीय सिनेमा के इतिहास में यह पहला मौका है, जब किसी सथाली भाषा में बनी लघु फिल्म को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त होने का यह गौरव प्राप्त हुआ है। झारखंड में फिल्मी प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। लेकिन जो प्रोत्साहन यहां के कलाकारों को मिलना चाहिए नहीं मिल पा रहा है। इस कारण यहां की प्रतिभाओं को एक साथ कई नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

संथाली भाषा की लघु फिल्म आंगोन ने झारखंड फिल्म उद्योग का बढ़ाया मान

विजय केसरी

72 वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में गैर-फीचर फिल्मों की श्रेणी में संथाली फिल्म आगेन के निर्देशक रवि राज मुर्मू को बेस्ट डेब्यू फिल्म ऑफ ए डायरेक्टर के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। झारखंड की जनजातीय भाषा संथाली में बनी यह पहली लघु फिल्म है, जिसे राष्ट्रीय स्तर पर इतने बड़े सम्मान से अलंकृत किया गया है। आगेन को यह सफलता झारखंड फिल्म उद्योग को राष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान दिलाने में सफल हुई है। बारह मिनटों की यह लघु फिल्म इतने कम समय में कई बड़ी बातें कह डाली है। फिल्म के निर्देशक रवि राज मुर्मू ने एक छोटी सी कहानी को बड़े ही सशक्त रूप में पदों पर उतार कर एके बेहतरीन निर्देशक के रूप में प्रस्तुत किया है। सच्चे अर्थों में यह लघु फिल्म एक नया इतिहास भी रचने का काम किया है। यह पुरस्कार झारखंड फिल्म उद्योग से जुड़े कलाकारों, निर्माता निर्देशकों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक नई राह खोलने का भी काम करेगा।

विचारणीय यह है कि झारखंड अलग प्रांत निर्माण के बाद कछुआ गति से चल रहा है। समय-समय पर प्रांत की सरकार झारखंड फिल्म उद्योग के विकास से संबंधित कई बातें कहती रहती हैं, लेकिन धरातल पर उतर नहीं पाती है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि फिल्म उद्योग से जुड़ी आधारभूत संरचना का अभी तक विकास ही नहीं हो पाया है। झारखंड फिल्म उद्योग को कोकलाता और मुंबई फिल्म उद्योग पर निर्भर रहना पड़ रहा है, जो काफी महंगा भी है। वहीं दूसरी ओर झारखंड के फाइनर्स प्रांत के निर्माणाधीन फीचर फिल्म में पैसा ही नहीं लगाता चाहते हैं। अगर कोई फाइनर्स आगे आते भी है, तो अपनी मुड़ी बहुत खींच कर रखते हैं, जिस कारण उम्दा फिल्में बन नहीं पाती हैं। इससे फिल्म से जुड़े कलाकारों, तकनीशियनों और निर्देशकों को ढंग से पारिश्रमिक भी नहीं मिल पाता है।

झारखंड के सरकारी और सहकारी कोऑपरेटिव बैंक भी फिल्म निर्माण हेतु फाइनंस करने के प्रति पुरी तरह उदासीन बने रहते हैं। जबकि सैकड़ों की संख्या में प्रात के फ़िल्मकार फिल्म के निर्माण हेतु वित्त पोषण के लिए बैंकों आवेदन लातिन पड़े हुए हैं। फ़िल्मकार बैंक दौड़ते - दौड़ते थककर फिल्म निर्माण की इच्छा ही छोड़ देते हैं। अर्थात झारखंड फिल्म उद्योग छोड़े वित्तीय



संकट के दौर से गुजर रहा है। आंगन की यह उपलब्धि झारखंड फिल्म निर्माण से जुड़े लोगों के लिए एक वरदान साबित होगा। जबकि झारखंड के कई कलाकार तत्कालीनस्थान और निर्देशक इस प्रांत से बाहर निकाल कर अपनी प्रतिभा दिखाने में सफल रहे हैं। अगर इन प्रतिभाओं को झारखंड फिल्म उद्योग में काम करने का अवसर मिलता तो अपनी प्रतिभा को और भी बेहतर ढंग से प्रस्तुत कर पाते।

यह लिखते हुए गर्व महसूस होता है कि भारतीय सिनेमा के इतिहास में यह पहला भारतीय है, जब किसी संस्थानी भाषा में बनी लघु फिल्म को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त होने का यह गौरव प्राप्त हुआ है। झारखंड फिल्मों प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। लेकिन जो प्रोत्साहन यहां के कलाकारों को मिलना चाहिए नहीं मिल पा रहा है। इस कारण यहां की प्रतिभाओं को एक साथ कई नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इस दिशा में अन्य प्रान्तों की तरह झारखंड सरकार को भी आगे आने की जरूरत है। जमशेदपुर में पढ़ाई - लिखाई झारखंड के रचयिताओं में हुई। उन्होंने फिल्म निर्माण से जुड़े प्रशिक्षण मुंबई तथा अन्य प्रसिद्ध फिल्म निर्माण संस्थाओं से प्राप्त किया। प्रारंभ में उन्होंने झारखंड से ही फिल्म निर्माण का काम शुरू किया था। लेकिन अपेक्षित सहयोग नहीं मिल पाने के कारण मुंबई चले गए। वहां उन्होंने फिल्म निर्माण का अनुभव तथा बहुत सारा काम किया। आगे उन्होंने झारखंड के जमशेदपुर से फिल्म निर्माण का काम शुरू किया। वे अपनी कड़ी मेहनत और लगन की बदौलत इस क्षेत्र में आगे बढ़ते जा रहे हैं।

आंगेन लगभग बारह मिनट दस सेकंड की एक लघु फिल्म है यह लघु फिल्म

आदिवासी समाज की संस्कृति, लोककथाओं और रोजमर्रा के जीवन संघर्षों पर आधारित है। देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा यह पुरस्कार प्रदान किया गया, जिससे झारखंड और संथाली सिनेमा का मान बढ़ा है। यह रेखांकित करता है कि संथाली फिल्म आगेन को राष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान से क्षेत्रीय कथा कला और आदिवासी संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा।

अग्रे एक संथाली शब्द है, जिसका अर्थ अदृश्य होता है। इस फिल्म की कहानी झारखंड की एक पारंपरिक लोक कथा पर आधारित है। फिल्म की कहानी झारखंड के एक संथाली बालक बांसुरी वादक चरवाहा सुकू के इर्द-गिर्द घूमती है। सुकू अपने गांव में मवेशी चरता है। वह बहुत ही मधुर बांसुरी बजाता है। सांवला रंग का वह बालक जितना अच्छा बांसुरी बजाता है, उसका मन भी उतना ही निर्मल होता है, उसकी निर्मलता उसके चेहरे से साफ-साफ झलकती भी है। सुकू की बांसुरी की धुन इतनी मनमोहक होती है कि जल स्रोत के पास रहने वाली आकाश लोक की एक अलौकिक देवी उससे मोहित हो जाती है। वह देवी अपनी शक्तियों और पानी के रास्ते उस चरवाहे को अपनी अलौकिक और वैभवशाली आकाश लोक में ले जाती है, जहाँ उस सारे पेशे-आराम मिलते हैं।

आगे की कहानी है कि कई वर्षों तक दिव्य लोक में सुकू को रहने बाद उसका भरभंग होता है। वह किसी तरह अपना धरती व जड़ों की याद में पसप पृथ्वी पर लौटता है, तो पाता है कि उसका पुराना, अपना गांव और समाज पूरी तरह बदल चुका है या अदृश्य सा हो गया है। यह लोककथा आधुनिकता की पंथी दौड़ और अपनी सांस्कृतिक जड़ों, भाषा व पहचान से दूर होते जा रहे युवाओं

के महानगरों की ओर पलायन का एक दार्शनिक और प्रतीकवादी रूप है। इसी दृश्य के साथ यह फिल्म यहीं पर समाप्त होती है। इस छोटी सी कहानी में लघु कथा के लेखक बहुत बड़ी बात कहने की कोशिश की है। जन्मभूमि से जुड़े रहने की बात ही कुछ और होती है। आज भौतिकतावादी और आधुनिकता ने लोगों को एक भ्रम में डाल दिया है। इसी भ्रम के दौड़ में मनुष्य बिना परिणाम जाने अपनी जन्मभूमि से पलायन कर जाता है। महानगरों में कुछ वर्षों तक रहने के बाद जब वह विचारता है, तो पाता है कि जन्मभूमि का त्याग कर उसने अच्छा नहीं किया। उसे अपने व जड़ की याद सताने लगती है। वह महानगर छोड़ने का निर्णय ले लेता है। तब तक काफी देर हो चुका होता है। जब वह अपनी जन्मभूमि पर दस्तक देता है, पूरी स्थितियाँ बदली हुई नजर आती हैं। इस कथा के लेखक इस फिल्म के माध्यम से यह भी आह्वान करना चाहते हैं कि लोग अपनी जड़ों से जुड़कर रहें। यहां की मिट्टी, संसाधन, भाषा और संस्कृति के साथ पले और बढ़ें। अपनी मिट्टी की बेहतरी के सोचें और लगातार कदम करते रहें।

यह 72 वां राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का वितरण 22 सितंबर 2026 को गुजरात के एकता नगर, केवड़िया में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में देश के राष्ट्रपति दांपती मुर्मू बतौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुईं। इस कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्तर पर संपन्न होने वाले फिल्म उद्योग का सबसे महत्वपूर्ण और बड़ा कार्यक्रम के रूप में जाना जाता है। आयोजित इस कार्यक्रम में वरिष्ठ अभिनेता अनंत नाग को भारतीय सिनेमा में पांच दशक से अधिक समय तक योगदान के लिए दादासाहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म के लिए आर्टिंकल 370 को सम्मानित किया गया। सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय फिल्म के लिए कल्कि 2898 एडी को सम्मानित किया गया। वहीं सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए कार्तिक आर्यन, फिल्म चंदू चैंपियन और मम्मी, मलयालम फिल्म ब्रह्मा युगम दोनों को संयुक्त रूप से तैर पर याया गीतम, फिल्म आर्टिंकल 370 के लिए सम्मानित किया गया। सर्वश्रेष्ठ निर्देशन के तौर पर राजकुमार परियासामी, तमिल फिल्म अमरन के लिए सम्मानित किया गया।

डॉ. प्रियंका सौरभ

आज के दौर में यह पहचानना पहले से कहीं अधिक कठिन होता जा रहा है कि पत्रकार को और प्रचारक को। समाचार माध्यमों की संख्या बढ़ी है, सूचना के स्रोत बढ़े हैं और सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को अपनी बात कहने का मंच दिया है। लेकिन इसी विस्तार के बीच पत्रकारिता की मूल भूमिका को लेकर एक गंभीर प्रश्न खड़ा हुआ है कि क्या पत्रकारिता अभी भी सत्ता से सवाल करने का माध्यम है, या वह राजनीतिक और वैचारिक खेमबंदी का हिस्सा बनती जा रही है? यह प्रश्न किसी एक व्यक्ति, संस्था, चैनल या विचारधारा तक सीमित नहीं है। लोकतंत्र में पत्रकारिता की विश्वसनीयता का प्रश्न इससे कहीं व्यापक है।

आज मीडिया पर अक्सर यह आरोप लगाया जाता है कि पत्रकारिता दो स्पष्ट खेमों में बंट गई है। एक खेमा सत्ता की लगभग हर नीति, निर्णय और बयान का बचाव करता दिखाई देता है, जबकि दूसरा सत्ता के लगभग हर कदम में कमी या दोष तलाशता नजर आता है। दोनों के अपने दर्शन, पाठक और समर्थक हैं। दोनों के पास अपने तर्क हैं और दोनों के आसपास अपनी-अपनी वैचारिक भीड़ है। समस्या यह नहीं कि पत्रकार सत्ता की आलोचना करता है या किसी नीति का समर्थन करता है। समस्या तब पैदा होती है जब पत्रकार की भूमिका से किसी राजनैतिक पक्ष के समर्थन या विरोध तक सीमित हो जाए।

प्रचक्रारिता का काम सत्ता के पक्ष में खड़ा होना नहीं है। लेकिन उसका काम केवल सत्ता के विरोध में खड़ा होना भी नहीं है। उसका वास्तविक दायित्व सत्ता के सामने खड़ा होकर सवाल पूछना है। लोकतंत्र में सत्ता किसी एक दल, नेता या सरकार का निजी अधिकार नहीं होती। सत्ता जनता से प्राप्त जिम्मेदारी है और प्रचक्रारिता उस जिम्मेदारी की सार्वजनिक निगरानी का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसलिए प्रचक्रार का पहला दायित्व किसी पार्टी, नेता या विचारधारा के प्रति नहीं, बल्कि तथ्यों, सिद्धान्त, लोकोत्तांत्रिक संस्थाओं और जनहित के प्रति होना चाहिए। यही कारण है कि प्रचक्रारिता में सवाल पूछना सबसे महत्वपूर्ण काम है। सरकार को निर्णय ले तो सवाल होना चाहिए कि वह निर्णय क्यों लिया गया, उसका उद्देश्य क्या है, उसका लाभ किसे मिलेगा, उसका नुकसान किसे उठाना पड़ेगा, उसके लिए किन्ता सार्वजनिक धन खर्च होगा और उसके परिणामों को कैसे खाया जाएगा।

इसी तरह विपक्ष कोई दावा करे तो सवाल होना चाहिए कि उस दावे के तथ्य क्या हैं, उसका आधार क्या है, क्या उसका कोई वैकल्पिक प्रस्ताव है और उसके वादे कितने व्यावहारिक हैं। सवाल का पैमाना व्यक्ति या दल नहीं, तथ्य और जनहित होना चाहिए।

आज प्रकाशिता के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल राजनीतिक दबाव नहीं है। एक दूसरी चुनौती भी उतनी ही गंभीर है—दर्शकों और पाठकों की पसंद। लोग अब्सर्स वही सुनना चाहते हैं जो उनका पहले से बनी धारणा की पुष्टि करता हो। इससे भीड़िया संस्थानों पर भी वही सामग्री प्रस्तुत करने का दबाव बढ़ता है जिसे उनका निर्धारित दर्शक वर्ग पसंद करता है। यही से प्रकाशिता और प्रचार के बीच की सीमा धुंधली होने लगती है।

प्रचार का उद्देश्य किसी विचार, व्यक्ति या व्यवस्था के पक्ष में जनमत बनाना होता है। प्रचकारिता का उद्देश्य उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जनता को जानकारी देना और आवश्यक सवाल उत्तराना है। दोनों के बीच अंतर हमेशा शब्दों से नहीं, बल्कि काम करने की पद्धति से दिखाई देता है। प्रचकारिता में स्रोतों की जड़, दावों का सत्यपन, संदर्भ की पुष्टताल और संबंधित पक्षों को अपना पक्ष रखने का अनसर देना महत्वपूर्ण है। इसके विपरीत, जब निकर्ष पहले तय हो और तथ्य केवल उसे सही साबित करने के लिए चुने जाएँ, तो प्रचकारिता की विश्वसनीयता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। एक प्रचकार से गलती हो सकती है। कोई तथ्य गलत रिपोर्ट हो सकता है या किसी खबर में संदर्भ छूट सकता है। लेकिन विश्वसनीय प्रचकारिता की पहचान यह है कि गलती सामने आने पर उसे सुधार जाए, स्रोतों की दोहरा जांच की जाए और अपनी रिपोर्टिंग पर लगातार आत्ममंथन किया जाए। निष्पक्षता का अर्थ यह भी नहीं कि हर मुद्दे पर दोनों पक्षों को बराबर सही बताया जाए। यदि किसी दावे के समर्थन में मजबूत तथ्य हैं। और दूसरे दावे के समर्थन में नहीं, तो प्रचकार का दायित्व तथ्यों को उसी अनुपात में सामने रखना है। संतुलन का अर्थ झूठ और सच को बराबर वजन देना नहीं हो सकता। इसी तरह सत्ता से सवाल उठाना सत्ता-विरोधी होना नहीं है। लोकतंत्र में प्रश्न पूछना विरोध नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक जवाबदेही की प्रक्रिया है। जो सरकार जनता के नाम पर निर्णय लेती है, उससे जनता के सवाल पूछे जाना स्वाभाविक है।

भारत ने खोला वैश्विक बाजारों का नया अध्याय : एफटीए से भारत की वैश्विक आर्थिक छलांग

न्यूजीलैंड की संसद ने 16 सितंबर को इसे लागू करने के लिए आवश्यक विधायी प्रक्रिया पूरी करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया, जिसके बाद समझौते के प्रभावी होने का रास्ता और स्पष्ट हुआ। मुक्त व्यापार समझौता मूलतः ऐसा व्यापारिक प्रबंध है, जिसके अंतर्गत दो देश एक-दूसरे के उत्पादों पर लगने वाले सीमा शुल्क को कम या समाप्त करते हैं और वस्तुओं, सेवाओं, निवेश तथा पेशेवरों की आवाजाही के लिए बाजार तक पहुंच आसान बनाते हैं।

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ के व्यापार व्यवस्था में बढ़ते-बढ़ते शुल्क, बलती आपूर्ति मूल्यलाओं और आर्थिक-आनुवंशिताओं के बीच भारत और न्यूजीलैंड के बीच हुआ मुक्त व्यापार समझौता दोनों देशों के आर्थिक संबंधों में एक महत्वपूर्ण नया अध्याय 20 अक्टूबर 2026 से खुलने जा रहा है। 20 सातवें 2026 तक भारत नेअपने विभिन्न व्यापारिक-साझेदारों के साथ अनेक मुक्त व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इनमें श्रीलंका,दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र के सदस्य देश,सिंगापुर, आसियान के दस देश,दक्षिण कोरिया, जापान, मलेशिया, मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया तथा यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के चार देश शामिल हैं, वहीं ब्रिटेन, ओमान, न्यूजीलैंड और यूरोपीय संघ जैसे हालिया समझौते हस्ताक्षर अथवा अंतिम क्रियान्वयन प्रक्रिया के अलग-अलग चरणों में हैं। मैं बताना चाहूंगा कि इन समझौतों का सकारात्मक प्रभाव भारतीय निर्यातकों को बड़े विदेशी बाजारों में कम शुल्क के साथ प्रवेश, निवेश के नए अवसर,आपूर्ति मूल्यलाओं में विविधता, रोजगार तथा भारतीय विनिर्माण और सेवाओं की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ने के रूप में सामने आया है। भारत-ऑस्ट्रेलिया समझौते के बाद वस्त्र, औषधि रसायन और कृषि सहित कई क्षेत्रों में लाभ दर्ज हुआ है।वर्तमान वैश्विक व्यवस्था में जब संरक्षणवाद, राजन्य वृद्धि, आपूर्ति मूल्यला का पुनर्गठन और भू-राजनीतिक तनाव अंतरराष्ट्रीय व्यापार को प्रभावित कर रहे हैं, तब एकएटीए भारत को अनेक बाजारों से जोड़कर जोखिमों को फैलाने और निर्यात के लिए वैकल्पिक रास्ते बनाने में मदद कर सकते हैं। लेकिन इन्हें स्वतः लाभ का सौदा मानना ही उचित नहीं होगा, क्योंकि अभाव बढ़ने, घरेलू उद्योग पर

प्रतिस्पर्धात्मक दबाव, सीमा शुल्क राजस्व में कमी और व्यापार घाटे जैसी चुनौतियाँ भी सामने आ सकती हैं। इसलिए भारत के लिए एफटीए की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि बाजार पहुंच का लाभ वास्तविक नियत, निवेश, उत्पादन, रोजगार और तकनीकी क्षमता में कितना बदलाव है। संधियों बात अगर हम भारत -न्यूज़ीलैंड 20 अक्टूबर



2026 से लागू होने वाला समझौते एफटीए की करें तो 27 अप्रैल 2026 को हस्ताक्षरित यह समझौता 20 अक्टूबर 2026 से प्रभावी होने वाला है। न्यूज़ीलैंड की संघद ने 16 मिनटवर को इसे लागू करने के लिए आवश्यक विधायी प्रक्रिया पूरी करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया, जिसके बाद समझौते के प्रभावी होने का रास्ता और स्पष्ट हुआ।

मुक्त व्यापार समझौता मूलतः ऐसी व्यापारिक प्रबंध है, जिसके अंतर्गत दो देश एक-दूसरे के उत्पादों पर लगाने वाले सीमा शुल्क को कम या समाप्त करते हैं। वस्तुओं, सेवाओं, निवेश तथा पेशेवरों की आवाजाही के लिए बाजार तक पहुंच आसान बनाने हैं। भारत के लिए इसका महत्व केवल निर्यात बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतीय उद्योग, छोटे कारोबार, किसानों, रोजगार, निवेश, तकनीकी

अंतरराष्ट्रीय आर्थिक प्रतिष्ठान को प्रभावित करने वाला व्यापक समझौता है। भारत सरकार के अनुसार, न्यूजिलैंड भारत से आने वाले सभी उत्पादों को शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच देगा, जबकि भारत न्यूजिलैंड के लगभग 95 प्रतिशत द्विपक्षीय व्यापार मूल्य को समेटने वाले उत्पादों पर शुल्क में कमी अथवा समाप्ति की व्यवस्था कर रहा है।



साथियों, इस समझौते की संभावनें बड़ी विशेषता भारतीय नियातकों के लिए न्यूजीलैंड के बाजार का लगभग पूरी तरह खुलना है कपड़ा, परिधान, चमड़ा, जूते, इंजीनियरी सामान, औषधि, रसायन, प्रसंस्कृत खाद्य और श्रम-प्रधान उद्योगों को इससे नए अवसर मिल सकते हैं। सीमा शुल्क समझौते से भारतीय उत्पादों को न्यूजीलैंड के बाजार में पहुँच लागत कम हो सकती है और उनकी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ सकती है। विशेष रूप से छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए यह महत्वपूर्ण है, क्योंकि बड़े उद्योगों की तुलना में छोटे नियातकों के लिए शुल्क और परिवहन लागत का प्रभाव अधिक होता है। सरकार ने भी इस समझौते में छोटे और मध्यम उद्यमों तथा महिला उद्यमियों को विशेष महत्व दिए जाने की बात कही है। यदि भारतीय कंपनियाँ गुणवत्ता, समय पर आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करने में सफल रहती हैं, तो न्यूजीलैंड का बाजार उनके लिए केवल वर्तमान नियात बढ़ाने का माध्यम नहीं, बल्कि आगे दूसरे विकसित बाजारों में प्रवेश की प्रतियोगिता और अनुभव हासिल करने का मंच भी बन सकता है।

साथियों, कृषि क्षेत्र में भी समझौते का स्वरूप संतुलित

रखने की कोशिश दिखाई देती है। भारत ने न्यूजीलैंड के बाजार को व्यापक रूप से खोलने के बदले अपने संवेदनशील खेजों को संरक्षण दिया है। दूध, क्रीम, पनीर, दही और अन्य प्रमुख दुग्ध उत्पादों के साथ कई संवेदनशील कृषि वस्तुओं को संरक्षण रियायतों से बाहर रखा गया है। व्याज, चीनी मसाले, खाद्य तेल और कुछ अन्य संवेदनशील वस्तुओं पर भी संरक्षण बनाए रखा गया है। दूसरी ओर, लकड़ी ऊन, भेड़ के मांस और कच्ची खाल जैसे उत्पादों पर शुल्क समाप्त करने अथवा घटाने की व्यवस्था की गई है, जिससे भारतीय उद्योगों को कुछ आवश्यक कच्चे माल अधिक प्रतिस्पर्धी लागत पर मिल सके हैं। इस प्रकार समझौते में एक ओर निर्यात के लिए अमसर बढ़ावा गए हैं तो दूसरी ओर घरेलू किसान और संवेदनशील उद्योगों के लिए सुरक्षा कवच भी रखा गया है।

साथियों, इस समझौते का दूसरा महत्वपूर्ण स्तंभ निवेश है। न्यूज़ीलैंड ने अगले 15 वर्षों में भारत में 20 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। यदि यह निवेश वास्तविक परियोजनाओं में परिवर्तित होता है तो विनिर्माण, आधारभूत ढांचे, नवाचार, कृषि उत्पादकता, आधुनिक तकनीक और रोजगार के क्षेत्र में इसके प्रभाव दिखाई दे सकते हैं। समझौते में कोशल और पेशेवरों की आवाजगोही को भी महत्व दिया गया है। पापांच हजार तर करुल भारतीयों ले लिए अस्थायी रोजगार मार्ग, सुवाओं ले लिए कार्य- अवकाश व्यवस्था तथा विद्यार्थियों और कुशल छात्रकों ले लिए अध्ययन के बाद काम के अवसर भारतीय प्रतिभाओं ले लिए अंतरराष्ट्रीय अनुभव के नए रास्ते खोल सकते हैं। स्वास्थ्य, पारंपरिक चिकित्सा, योग, शास्त्र, पर्यटन और खेल जैसे क्षेत्रों में सहयोग भी भारत की सेवाक्षेत्रीय क्षमता को बढ़ाने में सटिका से सहायक हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

नशे से दूर रखने युवाओं को खेलों से जोड़ने की पहल मादक पदार्थों पर नियंत्रण के लिए जिले में चलेगा विशेष अभियान, स्कूल-कॉलेजों में होंगे जागरूकता कार्यक्रम

बिलासपुर। मादक पदार्थों पर नियंत्रण और युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए जिले में विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत 2 अक्टूबर को युवाओं को खेलों एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कलेक्टर के अनुमोदन से समाज कल्याण विभाग ने संबंधित विभागों के सहयोग से निर्धारित समय-सारणी के अनुसार गतिविधियां संचालित करने के निर्देश दिए हैं। स्वाकप नियंत्रण ब्यूरो के वर्ष 2026-2029 के दृष्टिकोण के अनुरूप मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार के विभागों तथा संबंधित कानून प्रवर्तन एजेंसियों को जिम्मेदारियां निर्धारित की गई हैं। इसी क्रम में 16 अगस्त 2026 से एक वर्ष के लिए विशेष अभियान की गतिविधियों का कैलेंडर तैयार किया गया है। जागरूकता गतिविधियां विभागों के नियमित दायित्वों के हिस्से के रूप में पूरे वर्ष जारी रहेंगी। निर्धारित पखवाड़ों में पूरे राज्य में एक साथ विशेष अभियान चलाया जाएगा। जिले में जनवरी 2027 के प्रथम पखवाड़े में विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में नशे के दुष्प्रभावों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मार्च के प्रथम पखवाड़े में नशामुक्ति एवं पुनर्वास केंद्रों का अवलोकन किया जाएगा। अप्रैल के प्रथम पखवाड़े में युवाओं के लिए खेल एवं अन्य गतिविधियां आयोजित होंगी। जुलाई के प्रथम पखवाड़े में शिक्षण परिसरों का नशामुक्त परिसर के रूप में सत्यापन किया जाएगा। अगस्त 2027 के प्रथम पखवाड़े में विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में पुनः जागरूकता कार्यक्रम होंगे।

सेवा संकल्प अभियान : सेवा की कहानी प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान से मातृत्व स्वास्थ्य सेवाओं का हो रहा विस्तार

बिलासपुर। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत बिलासपुर जिले में गर्भवती महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण एवं निःशुल्क प्रसवपूर्व स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की समय पर पहचान और प्रबंधन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। अभियान के तहत प्रत्येक माह की 9 तारीख को शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में गर्भवती महिलाओं की जांच एवं आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाती हैं। मातृ मृत्यु दर में कमी लाने और गर्भावस्था के दौरान संभावित जटिलताओं की समय रहते पहचान के उद्देश्य से निजी क्षेत्र के रेडियोलॉजिस्ट एवं सोनोलॉजिस्ट भी इस अभियान से स्वैच्छिक रूप से जुड़े हैं। जिले में निजी क्षेत्र के 16 रेडियोलॉजिस्ट एवं सोनोलॉजिस्ट द्वारा निःशुल्क सोनोग्राफी सेवा प्रदान की जा रही है। इनके सहयोग से गर्भवती महिलाओं को आवश्यक जांच की सुविधा उनके नजदीकी स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध हो रही है। वर्ष 2024 से 2026 तक कुल 2,157 गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क सोनोग्राफी सेवा" का लाभ मिला है। सोनोग्राफी के माध्यम से गर्भावस्था से संबंधित संभावित जटिलताओं एवं उच्च जोखिम की समय पर पहचान करने में मदद मिली, जिससे ज़रूरतमंद महिलाओं को समय पर आवश्यक उपचार, परामर्श एवं प्रबंधन उपलब्ध कराया जा सका। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को समय पर जांच एवं विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध कराने की यह पहल सुरक्षित मातृत्व को दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

जनसेवा के नवाचारों को मिलेगा मंच, जीत सकेंगे 10 लाख रुपये का पुरस्कार

बिलासपुर। जनसेवा से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए नवीन विचार और तकनीक प्रस्तुत करने वालों को भारत सरकार ने अवसर दिया है। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित 'सेवा फ़र्स्ट इनोवेशन चैलेंज' में इच्छुक प्रतिभागी 17 अक्टूबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। प्रतियोगिता के 10 क्षेत्रों में कुल 5 करोड़ रुपये के पुरस्कार दिए जाएंगे। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गोवा एवं केंद्र शासित प्रदेश दमन-दीव के निवासी भाग ले सकते हैं। व्यक्तिगत नवप्रवर्तकों, विद्यार्थियों, छात्र समूहों, शोधकर्ताओं, शिक्षकों, नवउद्यमों तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए यह प्रतियोगिता खुली है। प्रतिभागियों के पास संबंधित राज्य अथवा केंद्र शासित प्रदेश का निवास प्रमाणपत्र होना आवश्यक है। प्रतियोगिता में कृषि, कानून व्यवस्था, महिला एवं बाल विकास, शहरी विकास, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, रक्षा, ऊर्जा एवं जलवायु से जुड़ी स्थिरता, अवसररचना एवं गतिशीलता, उभरती तकनीक तथा शिक्षा एवं रोजगार क्षमता से जुड़े क्षेत्र शामिल हैं। प्रत्येक क्षेत्र में पांच उपविषय निर्धारित हैं। इनमें फसल नुकसान का डिजिटल आकलन, शहरी बाढ़ प्रबंधन, महिला सुरक्षा, ऑनलाइन धोखाधड़ी की रोकथाम और परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता जैसे विषय शामिल हैं। आवेदक को एक प्राथमिक क्षेत्र और एक उपविषय चुनना होगा। प्रत्येक क्षेत्र में पांच विजेता चुने जाएंगे। इनमें एक महिला श्रेणी, एक 21 वर्ष से कम आयु श्रेणी और तीन सामान्य श्रेणी के विजेता होंगे। प्रत्येक विजेता को 10 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। पुरस्कार राशि का भुगतान पहचान, बैंक विवरण एवं अन्य आवश्यक औपचारिकताओं के सत्यापन के बाद किया जाएगा।

वरिष्ठजन हमारी अमूल्य धरोहर,उनके अनुभवों से नई पीढ़ी को मिलती है दिशा-विधायक कौशिक

■ अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर वरिष्ठ नागरिकों का गरिमामय सम्मान

■ 500 से अधिक वरिष्ठजनों का स्वास्थ्य परीक्षण, ज़रूरतमंदों को मिले श्रवण यंत्र, छड़ी और सहायक उपकरण

बिलासपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर आज पं. देवकीनंदन दीक्षित सभागृह में वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान में गरिमामय समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठजनों का आत्मीय सम्मान

करने के साथ उनके स्वास्थ्य परीक्षण, उपचार, विधिक जागरूकता और मनोरंजन के लिए विविध गतिविधियां आयोजित की गईं। विधायक श्री धरमलाल कौशिक के मुख्य आतिथ्य में आयोजित समारोह में कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल सहित अतिथियों ने वरिष्ठजनों को शॉल, श्रीभक्त एवं पुष्पमाला भेंटकर सम्मानित किया। विधायक श्री धरमलाल कौशिक ने कहा कि जिस तरह हम अपने माता-पिता का आदर और सम्मान करते हैं, उसी भावना से समाज के प्रत्येक बुजुर्ग का सम्मान किया जाना चाहिए। वरिष्ठजनों के पास जीवन के लंबे अनुभवों का खजाना है, जिससे युवा पीढ़ी को सीख और प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों के प्रति संवेदनशीलता और सम्मान हमारी सामाजिक एवं पारिवारिक संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। महापौर



श्रीमती पूजा विधानी एवं क्रेड अध्याक्ष श्री भूपेंद्र सक्शी ने वरिष्ठजनों को समाज की अमूल्य धरोहर बताते हुए कहा कि उनके सम्मान, संरक्षण और देखभाल की जिम्मेदारी हम सभी की है। वरिष्ठ नागरिकों ने अपने जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष परिवार,

समाज और देश के निर्माण में लगाए हैं। उनके अनुभव और मार्गदर्शन का लाभ नई पीढ़ी को लेना चाहिए। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी एवं छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष श्री राजा पाण्डेय भी विशेष रूप से उपस्थित

सेवा संकल्प अभियान के तहत सिम्स में विश्व वयोवृद्ध दिवस मनाया गया

बुजुर्गों का गुलाब देकर सम्मान,58 ज़रूरतमंदों को निःशुल्क चश्मे वितरित

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स), बिलासपुर में सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत विश्व वयोवृद्ध दिवस के अवसर पर वरिष्ठ नागरिक स्वास्थ्य शिविर एवं सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। शिविर में वरिष्ठ नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक उपचार एवं स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया गया। सभी वरिष्ठ नागरिकों को गुलाब का फूल देकर सम्मानित किया गया तथा नेत्र जांच के बाद 58 ज़रूरतमंद बुजुर्गों को निःशुल्क चश्मे वितरित किए गए। विभागवार हुई स्वास्थ्य जांच शिविर में मेडिसिन, कान-नाक-गला (ईएनटी) एवं नेत्र रोग विभाग के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने वरिष्ठ नागरिकों की जांच की। ईएनटी विभाग में 67 मरीजों की जांच आधुनिक मशीनों से की गई। नेत्र रोग विभाग द्वारा बुजुर्गों की आंखों की जांच की गई, जिसके बाद ज़रूरतमंद 58 वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क चश्मे प्रदान किए गए। मेडिसिन विभाग में बुजुर्गों की

सामान्य एवं पुरानी बीमारियों से संबंधित स्वास्थ्य जांच और चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। इस दौरान उच्च रक्तचाप, मधुमेह, जोड़ों में दर्द, कम सुनाई देना, मोतियाबिंद, याददाश्त में कमी सहित वृद्धावस्था में होने वाली सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं की जांच एवं उपचार किया गया। चिकित्सकों ने वरिष्ठ नागरिकों को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने तथा बीमारियों के प्रति सजग रहने की सलाह दी। 530 मरीजों की ओपीडी, 90 जेरिएट्रिक मरीज स्वास्थ्य शिविर में कुल 530 मरीजों की ओपीडी हुई, जिसमें 90 जेरिएट्रिक (वृद्ध) मरीज शामिल रहे। इसके अलावा 25 मरीजों का ईसीजी किया गया तथा 80 मरीजों का आरबीएस, रक्तचाप एवं वजन की जांच की गई।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए सिम्स में विशेष व्यवस्था- सिम्स प्रबंधन द्वारा वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अस्पताल में विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। वरिष्ठ नागरिकों के लिए अलग



पंजीयन काउंटर, दवा वितरण काउंटर एवं पच्ची बनाने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। भर्ती होने वाले बुजुर्ग मरीजों को आयुष्मान कार्ड से संबंधित पंजीयन के लिए लाइन में न लगना पड़े, इसके लिए वार्ड में जाकर ही पंजीयन की व्यवस्था की गई है।

बुजुर्गों की सेवा और सम्मान हमारा दायित्व : डॉ. रमणेश मूर्ति सिम्स के अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति ने कहा कि बुजुर्ग हमारे परिवार और समाज की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उनकी सेवा और सम्मान करना हम सभी का दायित्व है। 60 वर्ष की आयु के बाद शरीर में कई तरह के

बदलाव आते हैं, इसलिए छोटी स्वास्थ्य समस्या को भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों से नियमित रूप से रक्तचाप, शुगर, आंख और कान की जांच कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि संतुलित भोजन, नियमित पैदल चलना, पर्याप्त नींद और परिवार के साथ समय बिताना स्वस्थ जीवन के लिए महत्वपूर्ण है। सिम्स में वरिष्ठ नागरिकों के लिए अलग काउंटर की व्यवस्था इसी उद्देश्य से की गई है, ताकि उन्हें उपचार के दौरान कम से कम परेशानी हो और सम्मान के साथ समय पर स्वास्थ्य सुविधा मिल सके। **समय पर जांच से गंभीर बीमारियों से बचाव :** डॉ. लखन सिंह चिकित्सा अधीक्षक डॉ. लखन सिंह ने कहा कि वृद्धावस्था में होने वाली छोटी-छोटी स्वास्थ्य समस्याओं को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। समय पर जांच और चिकित्सकीय सलाह के अनुसार नियमित उपचार से कई गंभीर बीमारियों से बचाव किया जा सकता है।

सेवा की कहानी नन्हें बच्चों को पोषण का सहारा,माता-पिता को मिली राहत..

■ पोषण पुनर्वास केंद्रों के विस्तार से दूरस्थ अंचलों तक पहुंची सुविधा

बिलासपुर। बच्चा कुपोषण से जूझ रहा हो तो माता-पिता को सबसे बड़ी चिंता उसके स्वस्थ होने की होती है। लेकिन उपचार के लिए घर से दूर जाकर करीब पंद्रह दिन ठहरना पड़े तो परिवार की मुश्किलें और बढ़ जाती हैं। बिलासपुर जिले में पोषण पुनर्वास केंद्रों के विस्तार ने ऐसे परिवारों को राहत दी है। तखतपुर, बिल्हा और रतनपुर में केंद्रों की सुविधा मिलने से अब अधिक बच्चों तक पोषण संबंधी देखभाल और उपचार पहुंच रहा है। अप्रैल 2024 से पहले जिले में केवल जिला चिकित्सालय में पोषण पुनर्वास केंद्र संचालित था। दूरस्थ



गांवों के माता-पिता को अपने कुपोषित बच्चे के साथ जिला मुख्यालय आना पड़ता था। केंद्र में लगभग 15 दिन रहने की आवश्यकता के कारण कई परिवारों के लिए इस सुविधा का लाभ लेना कठिन था। बच्चे की देखभाल के साथ घर की जिम्मेदारियां संभालना भी उनके लिए चुनौती थी। इन परिवारों की ज़रूरत को देखते हुए जिले में पोषण पुनर्वास की सुविधाएं बढ़ाने की पहल की गई। कलेक्टर द्वारा जिला खनिज संस्थान न्यास

से अनुमोदित राशि, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की पहल और संबंधित अधिकारियों के सहयोग से नए केंद्रों का संचालन शुरू हुआ। बिस्तरों की संख्या भी बढ़ाई गई, ताकि अधिक ज़रूरतमंद बच्चों को भर्ती कर देखभाल और उपचार उपलब्ध कराया जा सके। इस पहल का असर लाभान्वित बच्चों की संख्या में दिखाई दे रहा है। पहले जिला चिकित्सालय के एकमात्र केंद्र से लगभग 170 से 180 बच्चों को लाभ मिल पाता था।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता संपन्न

■ बिल्हा विधायक श्री धरमलाल कौशिक ने बढ़ाया बच्चों का उत्साह

बिलासपुर। सेवा और संकल्प अभियान के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन दिल्ली पब्लिक स्कूल, बिल्हा में किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के द्वितीय आयु वर्ग के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी रचनात्मकता, अभिव्यक्ति क्षमता और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विचारों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। चित्रकला प्रतियोगिता में 59 तथा भाषण प्रतियोगिता में 59 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए



विधायक बिल्हा श्री धरमलाल कौशिक ने विद्यार्थियों को सेवा भाव, सामाजिक जिम्मेदारी और देशहित की भावना के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि युवाओं की रचनात्मक सोच, सकारात्मक दृष्टिकोण और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने "स्वच्छ भारत, डिजिटल इंडिया, सेना का

शौर्य, नया कश्मीर, नक्सलवाद, नक्सल मुक्त भारत, सपनों का भारत, विकसित भारत 2047, महिला सशक्तिकरण तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रभाव" जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार रखे। विद्यार्थियों ने अपने चित्रों और ओजस्वी वक्तव्यों के माध्यम से सेवा, संकल्प, सामाजिक जिम्मेदारी, देशभक्ति एवं राष्ट्रहित की भावना को अभिव्यक्त किया। बच्चों की प्रस्तुतियों पर कार्यक्रम

स्थल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। प्रतियोगिता में भाषण वर्ग के प्रतिभागियों में "अनुराधा सूर्यवंशी, रागिनी मिश्रा, रूपाली श्रीवास, अमिताश तिवारी, रिमझिम ठाकुर, दिव्या पटेल, अनीशा ठाकुर, अदवित पाण्डेय, महिमा पाण्डेय एवं संस्कार द्विवेदी" शामिल रहे। विकासखंड स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता से जिला स्तर के लिए "नय्या अग्रवाल, निधि साहू, शिवानी कुर्ते, मानवी भोसले, जिज्ञासा कैवर्त, नमिता कौशिक, मोहन करियारे, आकांक्षा श्रीवास, भूमि वर्मा, आकाश यादव, श्रद्धा सेन, इनाया बानो, गोपाल साहू, खुशी यादव, माही रात्रे, ऐश्वर्या लक्ष्मी यादव, प्रियांशी कुर्ते, लितिका नेताम, माया बाटुटे एवं समुद्र मिश्रा" का चयन किया गया।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता संपन्न

बिलासपुर। सेवा और संकल्प अभियान के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन दिल्ली पब्लिक स्कूल, बिल्हा में किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के द्वितीय आयु वर्ग के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी रचनात्मकता, अभिव्यक्ति क्षमता और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विचारों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। चित्रकला प्रतियोगिता में 59 तथा भाषण प्रतियोगिता में 59 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक बिल्हा श्री धरमलाल कौशिक ने विद्यार्थियों को सेवा भाव, सामाजिक जिम्मेदारी और देशहित की भावना के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

तीन अक्टूबर को संतान की लंबी उम्र के लिए रखा जाएगा जितिया व्रत

संतान की लंबी उम्र और सुखी जीवन की कामना के लिए माताएं जितिया व्रत रखती हैं। यह कठिन त्रिजला उपवास होने के कारण बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इस साल जितिया व्रत 3 अक्टूबर को रखा जाएगा। व्रत को लेकर घरों में तैयारियां शुरू हो गई हैं और बाजारों में भी पूजन सामग्री की दुकानें सजने लगी हैं। जितिया व्रत की पूजा विधि-विधान से करने के लिए सभी जरूरी सामग्री पहले से जुटा लेना चाहिए।



तीन दिनों तक चलता है व्रत
हिंदू पंचांग के अनुसार, जितिया व्रत आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को रखा जाता है। जितिया का पर्व 3 दिनों का होता है जो नहाय खाय से शुरू होकर पारण के साथ संपन्न होता है। इसकी शुरुआत नहाय-खाय से होती है। इसके अगले दिन महिलाएं करीब 36 घंटे का निर्जला उपवास करती हैं। इसके बाद सूर्योदय के बाद भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का पारण किया जाता है। मान्यता है कि जितिया व्रत रखने से परिवार में सुख-समृद्धि और सकारात्मकता बनी रहती है।

जितिया व्रत की पूजा के लिए सभी सामग्री को पहले से व्यवस्थित कर लेना चाहिए। पूजा सामग्री इस प्रकार है।

भगवान जीमूतवाहन की प्रतिमा
फूल, फूलों की माला, पीले रंग का वस्त्र, मिट्टी का दीपक, वाली, अगरबत्ती, घूप, कपूर, तांबे का लोटा, सिंदूर, मौली, गंगाजल, पंचामृत, जितिया व्रत की कथा की पुस्तक, ठेकुआ, पारंपरिक पकवान, बांस की डलिया, मरुआ का आटा, बजरी, चोकी, लाल या पीला कपड़ा, कुश, गोबर, कलश या लोटा, जल, अक्षत यानी साबुत चावल, रोली, चंदन, हल्दी, दूर्वा, ताजे फूल, पान, सुपारी, लौंग, इलायची, लाल या पीला जितिया धागा, मौसमी फल, मिठाई, भिंगोया हुआ चना

पूजा में रखें ये प्रसाद सामग्री
जितिया व्रत की पूजा के दौरान भोग में ठेकुआ, पारंपरिक पकवान, मिठाई, भिंगोया हुआ चना, मौसमी फल और पंचामृत आदि सामग्री रखी जाती है। पूजा से पहले सभी सामग्रियों को एक जगह व्यवस्थित कर लेने से पूजन के समय किसी जरूरी चीज की कमी नहीं होगी।

पितृपक्ष में श्राद्ध छूट जाए तो न हों परेशान इन तरीकों से पाएं पितरों का आशीर्वाद!

पितृपक्ष का समय पितरों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए खास माना जाता है। इस दौरान लोग अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करते हैं। इस साल पितृपक्ष 27 सितंबर से शुरू हुआ है और 10 अक्टूबर को सर्वपितृ अमावस्या के साथ

इसका समापन होगा। ऐसे में अगर आप भी अपने पितरों का श्राद्ध करना चाहते हैं, लेकिन किसी कारणवश विधि-विधान से श्राद्ध या तर्पण नहीं कर पा रहे हैं, तो परेशान होने की जरूरत नहीं है, अगर आप किसी कारणवश पितृपक्ष में श्राद्ध नहीं कर पा रहे हैं, तो कुछ आसान तरीकों से भी पितरों का

स्मरण और उनके प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त कर सकते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पितरों के लिए किए गए कर्मां में श्रद्धा और भावना का विशेष महत्व माना गया है। ऐसे में आप अपनी क्षमता और सुविधा के अनुसार इन उपायों को कर सकते हैं।

पितरों से क्षमा मांगकर करें स्मरण
अगर आप किसी मजबूरी के कारण श्राद्ध नहीं कर पा रहे हैं, तो खुले आकाश के नीचे हाथ जोड़कर अपने पितरों का स्मरण करें और अपनी असमर्थता के लिए उनसे क्षमा प्रार्थना करें। इसके साथ ही इन दिनों श्रीमद्भगवद्गीता या भागवत का पाठ और स्मरण करना भी शुभ माना जाता है।

बिना प्लास्टर तोड़े दीवार पर लगाएं कील बड़े काम आएगा ये एक हैक

घर की दीवार पर फोटो फ्रेम, घड़ी, कैलेंडर या कोई दूसरी चीज टांगने के लिए अक्सर कील ठोकनी पड़ती है। लेकिन कई बार कील लगाने की कोशिश में दीवार का प्लास्टर टूट जाता है और आसपास छोटा सा गड्ढा या दरार बन जाती है। खासकर प्लास्टर

दरअसल, दीवार में कील ठोकते समय हथौड़े की चोट का दबाव आसपास के हिस्से पर पड़ता है। इससे प्लास्टर में छोटे-छोटे फ्रैक बन सकते हैं। अगर प्लास्टर पहले से कमजोर है या दीवार में नमी की वजह से वह उखड़ रहा है, तो कील ठोकते ही उसका हिस्सा टूटकर बाहर आ सकता है। इसलिए कील लगाने से पहले सही जगह का चुनाव करना बेहद जरूरी है।



कील ठोकने से पहले दीवार की जांच करें
सबसे पहले उस जगह को ध्यान से देखें जहां कील लगानी है। अगर वहां पहले से दरार, उभरा हुआ प्लास्टर या कोई कमजोर हिस्सा दिखाई दे रहा है, तो उस जगह कील लगाने से बचें। दीवार के कोने और किनारे भी अपेक्षाकृत कमजोर हो सकते हैं, इसलिए वहां सीधे कील ठोकने से प्लास्टर टूटने का खतरा बढ़ सकता है। एक आसान तरीका यह है कि जिस जगह कील लगानी है, वहां उंगलियों के पोर से हल्के हाथ से थपथपाकर देखें। अगर आवाज सामान्य और ठोस सुनाई देती है, तो वह हिस्सा मजबूत हो सकता है। वहीं अगर आवाज काफी खोखली सुनाई दे, तो उस जगह के प्लास्टर के कमजोर होने की संभावना हो सकती है।

आज का राशिफल

- मेघ राशि** - काम करने के तरीके में बदलाव लाएं और कार्यक्षेत्री व्यवस्थित रखेंगे तो व्यापारिक कार्य समय से पहले निपटेंगे। जल्दबाजी में कोई जोखिम न लें। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियां थोड़ी विपरीत हो सकती हैं, इसलिए सहकर्मियों से विवाद की स्थिति में अपने गुस्से पर पुरा नियंत्रण रखें। संतान के करियर की समस्याओं को किसी अनुभवी व्यक्ति के सहयोग से सुलझा लेंगे। पारिवारिक वातावरण शांत रहेगा।
- वृषभ राशि** - कोई भी छेड़ा या बड़ा व्यापारिक निर्णय लेते समय किसी विशेषज्ञ की सलाह अवश्य लें, वरन्से निरिच्छत रूप से बड़ा मुनाफा होगा। छात्र अपना कौमती समय सोशल मीडिया पर व्यर्थ न करें। निरंतर मेहनत जारी रखें, जल्द ही सफलता के प्रबल योग बनेंगे; लक्ष्यवादी पक्षपाते का कारण बन सकती है। पारिवारिक माहौल को व्यवस्थित रखने में आपकी भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी।
- मिथुन राशि** - कारोबार में लोगों का भरपूर सहयोग मिलेगा। आय के नए स्रोत बनेंगे जिससे व्यापारिक विस्तार की नींव मजबूत होगी। ऑफिस का कामकाज सामान्य दिनों की तुलना में कहीं अधिक बेहतर और प्रभावी तरीके से पूरा होगा। वरिष्ठ अधिकारी आपके काम से संतुष्ट रहेंगे। जीवनसाथी आपकी खूब प्रशंसा करेंगे जिससे दायित्व में भिन्नता बढेगी।
- कर्क राशि** - बिजनेस के सिलसिले में विदेश यात्रा करनी पड़ सकती है, जो भविष्य के दृष्टिकोण से अत्यधिक लाभदायक और फलदायी सिद्ध होगी। ऑफिस में कोई बड़ी जिम्मेदारी वाला कार्य सौंपा जा सकता है, जिसे पूरा करवा पर करियर में बड़ा फायदा मिलेगा। आदर्श और ग्राफिक डिजाइन के छात्रों को नए अवसर मिलेंगे। मन की सभी अचूरी इच्छाएं पूरी होने से खुशियों में इजाफा होगा। परिवारों के साथ सुखद साजनस्य बना रहेगा।
- सिंह राशि** - व्यावसायिक और संतुलित सोच रखने से व्यावसायिक लाभ मिलेगा। नई योजनाओं में सौच-समझकर कदम आगे बढ़ाएं। कार्यक्षेत्र में संतुलित रहैया आपको लाभ दिलाएगा। किसी काम को लेकर मन में डर रह सकता है, लेकिन यह केवल औवरचिन्ता के कारण होगा, इसलिए आत्मविश्वास बनाए रखें। शाम को माताजी के साथ भविष्य को लेकर विचार-विमर्श करेंगे, उनका मार्गदर्शन मन को सुकून देगा। कुछ समय एकता या धार्मिक स्थल पर बिताएंगे।
- कन्या राशि** - महिलाएं अपने बिजनेस में विशेष रूप से सक्रिय रहेंगी और उन्हें बड़ा धन लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में कर्मचारियों के साथ दोस्ताना व्यवहार रखने से काम समय से पहले पूरा होगा। कार्यस्थल का माहौल आपके अनुकूल रहेगा। टीम भावना से काम करने से वरिष्ठ अधिकारियों से सराहना प्राप्त होगी। घर-परिवार में सुखद और सौहार्दपूर्ण वातावरण रहेगा।
- तुला राशि** - पैसे से जुड़ी समस्याओं को सुलझाने के लिए व्यावहारिक योजना बनाएं। पुरानी गलतियों को न दोहराना आपके व्यापारिक हित में रहेगा। जीवन प्रगति की ओर बढ़ रहा है, अपनी कार्यक्षमता के आधार पर आपको बड़े अवसर प्राप्त होंगे। नई जिम्मेदारियों के लिए खुद को तैयार रखें। पारिवारिक जीवन सामान्य रहेगा। सदस्यों की जरूरतों को प्राथमिकता देकर घर में संतुलन बनाए रखेंगे।
- वृश्चिक राशि** - भावनाओं में बहने की कलाय वतुराई और सुझमुझ से काम लें, परिस्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी। अपने पूर्व अनुभवों का इस्तेमाल कर कारोबार को आगे बढ़ाएं। किसी करीबी व्यक्ति से कार्य संबंधी नाराजगी दूर होगी। नए लोगों से जुड़ने से कुछ नया और उपयोगी सीखने को मिलेगा। अपनी रुचि के कार्यों में समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा। पारिवारिक सदस्यों के बीच बेहतर तालमेल रहेगा।
- धनु राशि** - रुके हुए व्यापारिक कार्यों की दोबारा शुरुआत होगी। अपने आसपास के प्रतिस्पर्धियों से सावधान रहें, क्योंकि कुछ लोग आपका विशेष कर सकते हैं। दूसरों पर अपना सकारात्मक प्रभाव छोड़ने में सफल रहेंगे। किसी महत्वपूर्ण या गंभीर बातचीत में आपको सफलता मिलने की संभावना है। दिन परिवार के लिए नई खुशियां लेकर आएगा। दोस्तों के साथ बाहर घूमने का मनोरंजक प्लान बन सकता है। गुस्से पर नियंत्रण रखें।
- मकर राशि** - व्यापार के मामलों में मन में नए-नए रचनात्मक विचार आएंगे। नए लोगों से मिलना और व्यावसायिक वर्चाएं करना भविष्य में बड़ा फायदा देगा। कार्यक्षेत्र में आपके कामकाज की भरपूर तारीफ होगी। किसी पुरानी जटिल समस्या का समाधान मिलने से मानसिक राहत मिलेगी। पारिवारिक रिश्ते और मजबूत होंगे। संतान पक्ष से कोई भूमि समाचार मिलेगा। लक्जरी आनंद शानि दिन पर जाएंगे, जिससे रिश्तों में मिठास बढेगी।
- कुंभ राशि** - सोचे हुए सभी कार्य आसानी से पूरे होंगे। किसी ऐसे प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात होगी जो आने वाले दिनों में आपके कारोबार में बड़ी मदद करेगा। ऑफिस के सहकर्मियों आपके कार्यों में पूरा सहयोग करेंगे, जिससे काम जल्दी पूरा होगा। किसी बात पर तुरंत प्रतिक्रिया देने से बचें, सोच-समझकर राय देने से सम्मान बढेगा। रिवाजिक वातावरण खुशियों से भरा रहेगा। अफनों के साथ सुखद और यादगार समय व्यतीत होगा।
- मीन राशि** - व्यापारिक गतिविधियों को व्यवस्थित ढंग से चलाएं। किसी के प्रामक बयान या अपवाहों पर ध्यान न देकर अपने मूल काम पर ध्यान दें। दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। कार्यक्षेत्र में संतुलन बनाए रखने से काम आसान होगा। अपनी निजी समस्याएं हर किसी से साझा करने से बचें। पारिवारिक कामों को निपटाने में घर के सभी सदस्यों का पूरा सहयोग मिलेगा।

ब्लैक कॉफी पीने का ट्रेंड, क्या इसमें दूध मिलाने से होता है नुकसान?

कॉफी को पीने के तरीके बहुत हैं और इनमें सबसे कॉमन इसे दूध या गर्म पानी में मिलाकर पीना है। इन्हें नॉर्मली ब्लैक कॉफी और मिल्क वाली कॉफी कहा जाता है। कॉफी की खासियत है कि इससे शरीर को भी कई फायदे मिलते हैं। वैसे ब्लैक कॉफी अब ट्रेंड में है, क्योंकि लोग अपने लिबर को फेटी होने से बचाने के लिए इस ड्रिंक पर ज्यादा भरोसा कर रहे हैं। इसके पीछे सोशल मीडिया का बड़ा रोल है। ब्लैक कॉफी सिर्फ एक ड्रिंक नहीं रह गई है बल्कि होला है? क्या कॉफी को दूध में डालकर पीने से पेट की प्रॉब्लम्स होती हैं। क्या ये दिनभर



कि जो दूध में इसे पीते हैं क्या इससे नुकसान होता है? क्या कॉफी को दूध में डालकर पीने से पेट की प्रॉब्लम्स होती हैं। क्या ये दिनभर

गैस या एसिडिटी की वजह बनती है? ड्रिंक को पीते वक़्त किन लोगों को अलर्ट रहना चाहिए? वरिएर आपको डायटिशियन के जरिए बताते हैं डायाटिशियन पायल दत्त (सीनियर डाइटिशियन, कैलाश दीपक हॉस्पिटल) का कहना है कि दूध वाली कॉफी अपने आप में नुकसानदायक नहीं है। अगर आप दिन में एक या दो कप कॉफी लेते हैं और उसमें थोड़ी मात्रा में दूध और कम चीनी डालते हैं, तो ज्यादातर स्वस्थ लोगों के लिए यह ठीक है। दूध से कॉफी में प्रोटीन और कैल्शियम भी जुड़ जाता है। इसलिए सिर्फ इस वजह से कि कॉफी में दूध है, उसे अनहेल्दी कहना सही नहीं होगा।

राजस्थान में कहां है ‘100 आइलैंड का शहर’? जानें इसके बारे में रोचक बातें

बांसवाड़ा का इतिहास
राजस्थान पर्यटन की वेबसाइट बताती है कि बांसवाड़ा का नाम ‘बांस’ के पेड़ों से आया है, जो कभी यहां खूब उगते थे। यह इलाका भील जनजाति के लोगों का घर भी है, जिनकी आबादी यहां कुल जनसंख्या के आधे से ज्यादा है। ऐतिहासिक रिकॉर्ड बताते हैं कि बांसवाड़ा पर कभी भील शासक बांसिया राज करते थे, और माना जाता है कि शहर का नाम उन्हीं के नाम पर रखा गया।
भौगोलिक विविधता
बांसवाड़ा अपनी अलग भूगोल के लिए भी जाना जाता है। यहां की उपजाऊ ज़मीन पर मक्का, गेहूं, चावल, कपास, सोयाबीन और चना जैसी फसलें पैदा होती हैं। यह हरा

राजस्थान का नाम सुनते ही अक्सर दिमाग में रेगिस्तान, ऊंट और बड़े बड़े किले आते हैं। लेकिन इस राज्य में और भी बहुत कुछ है जिसे लोग जानना नहीं जानते। हरा भरा नज़ारा शायद ही कोई राजस्थान से जोड़कर देखता हो, पर बांसवाड़ा इस मामले में एकदम अलग है। यह अपनी खूबसूरत जगहों, पुरानी विरासत और ‘100 द्वीपों के शहर’ के रूप में जाना जाता है। यहां की नेचुरल व्यूटी यानी हरियाली को देखकर यकीन ही नहीं होता है कि अब राजस्थान में बरफ़ें हैं, क्योंकि ये राज्य अपने ऐतिहासिक किले, रेगिस्तान और गरीबों के लिए जाना जाता है। जानें बांसवाड़ा के बारे में...



दिलचस्प जगह हो सकती है। यहां आनंद सागर झील, अरुन्धती पीर, अंदेशवर पार्वनाथ जी, राम कुंड, विठ्ठला देव मंदिर, डाथलाब झील, कागदी पिकअप विवर, माही बांध, परहेड़ा, राज मंदिर, तलवाड़ा मंदिर, निपुरा सुन्दरी, मदारेश्वर मंदिर, कल्पवृक्ष, मानगढ धाम, सिंगपुरा और जुआ जलप्रपात जैसी जगहें हैं।

कैसे पहुंचें
बांसवाड़ा का सबसे नजदीकी हवाई अड्डा उदयपुर में है, जो करीब 185 किलोमीटर दूर है। रत्नलाम रेलवे स्टेशन यहां से लगभग 80 किलोमीटर दूर है। दिल्ली, जयपुर और भरतपुर से भी बसें मिल जाती हैं।

‘100 द्वीपों का शहर’ क्यों?
बांसवाड़ा में राजस्थान के बाकी हिस्सों के मुकाबले काफी ज्यादा बारिश होती है। यहां माही नदी में कई छोटे बड़े द्वीप बिखरे हुए हैं, इसलिए इसे ‘100 द्वीपों का शहर’ कहते हैं। यहां की पहाड़ियां, हरियाली और शांत झीलें राजस्थान को एक नए रंग में दिखाती हैं, जो प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर है।

घर से निकलते वक़्त न मूलने वाली जरूरी चीजें

सुबह-सुबह हर कोई ऑफिस जाने के लिए भागदौड़ में लगा होता है। खासकर हजारे घर की महिलाएं, जो सुबह उठकर बच्चों के लंच से लेकर खुद की तैयारी करती हैं और फिर ऑफिस के लिए निकलती हैं। घर से निकलते समय कभी चाबी ठूँढ़ना तो कभी नोबोइडल वक़्त करना और फिर लास्ट में कुछ भूल जाना, अगर आपके साथ भी ऐसा होता है, तो इसे लेकर परेशान होने की जरूरत नहीं है। बहुत बार हमारी कुछ आदतों की वजह से भी हज़ा चीज़ें भूल जाते हैं और फिर दिमाग उन चीज़ों को जोड़िस नहीं कर पाता है। इस परेशानी से छुटकारा पाने के लिए आप अपने घर के दरवाज़े पर या कहीं ऐसी जगह जहां पर आपका ध्यान जाए, वहां पर एक चेकलिस्ट लगाएं। घर से निकलते वक़्त न भूलने वाली जरूरी चीज़ें।

- घर और वाहन की चाबी**
घर से निकलते समय या ऑफिस जाते वक़्त गाड़ी और मेन गेट की चाबी पास रखना जरूरी होता है। दोनों को एक जगह रखने से भूलने का चांस कम हो जाता है।
- मोबाइल फोन**
मोबाइल के बिना तो आजकल कोई काम नहीं होता है। इसलिए फोन को न भूलें और साथ ही चार्जर भी रख लें, ताकि बैटरी खत्म होने पर दिक्कत न हो।
- वॉलेट, पैसे और काइर्स**
ऑफिस या कहीं भी बाहर जाने के लिए पैसे बहुत जरूरी होते हैं। इसलिए वॉलेट, पैसे और काइर्स एक जगह पर रखें, ताकि किसी भी दिक्कत में न फंसे।
- पहचान पत्र**
एक बहुत जरूरी चीज जो हमेशा आपके पर्स में होनी चाहिए, वो है पहचान पत्र। कभी भी जाएं, तो अपने पास जरूर रखें। पहचान पत्र में ये सभी चीज़ें आती हैं जैसे- आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस या ऑफिस आईडी।
- पीने का पानी**
हर किसी को बाहर का पानी सूट नहीं करता है। इसलिए पानी की बोतल हमेशा साथ लेकर चले। शरीर को हाइड्रेटेड रखना बेहद जरूरी होता है।



घर में जरूर होने चाहिए ये मेडिकल डिवाइस

मेडिकल डिवाइस कहीं भी, कभी भी और किसी के साथ हो सकती हैं। ऐसे समय में घर में मौजूद कुछ बेसिक मेडिकल डिवाइस स्थिति को समझने और डॉक्टर तक जरूरी जानकारी पहुंचाने में मदद कर सकती हैं। आइए जानते हैं कौन-कौन सी डिवाइस घर में होनी चाहिए और इनका इस्तेमाल कैसे काम आ सकता है।

BP मॉनिटर: घर में सबसे उपयोगी मेडिकल डिवाइस में से एक ऑटोमैटिक अपर-अर्म ब्लड प्रेशर मॉनिटर है। यह सिस्टोलिक प्रेशर यानी ऊपरी संख्या और डायस्टोलिक प्रेशर यानी निचली संख्या के साथ पल्स रेट की जानकारी देता है। आमतौर पर 120/80 mmHg के आसपास का ब्लड प्रेशर नॉर्मल माना जाता है। वहीं, बार-बार 130/80 mmHg या इससे ज्यादा रीडिंग आने पर डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। सही रीडिंग के लिए जांच से पहले करीब 5 मिनट शांत बैठना चाहिए। इसके बाद लगभग एक मिनट के अंतर पर दो रीडिंग लेना बेहतर होता है।

ग्लूकोमीटर: घर में किसी को डायबिटीज है, खासकर अगर वह इंसुलिन या ऐसी दवाएं ले रहा है जिनसे ब्लड शुगर कम हो सकता है, तो ग्लूकोमीटर काफी उपयोगी हो सकता है। यह कुछ ही सेकेंड में ब्लड ग्लूकोज की रीडिंग देता है। 70 mg/dL से कम ब्लड शुगर को लो ब्लड शुगर यानी हाइपोग्लाइसीमिया माना जाता है। डॉ। राजीव अग्रवाल के मुताबिक, कई मामलों में बहुत कम ब्लड शुगर तत्काल चिंता का विषय हो सकता है। ऐसे में शुगर की रीडिंग पता होना डॉक्टर के लिए स्थिति को समझने में मदद कर सकता है।

पल्स ऑक्सीमीटर: सांस लेने में परेशानी के दौरान पल्स ऑक्सीमीटर ब्लड में ऑक्सीजन सैचुरेशन यानी SpO और पल्स रेट की जानकारी देता है। आमतौर पर स्वस्थ लोगों में ऑक्सीजन सैचुरेशन 95-100% के बीच रहता है। हालांकि, कुछ दिल या फेफड़ों की बीमारी वाले लोगों और अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सामान्य स्तर अलग हो सकता है। अगर ऑक्सीजन लेवल लगातार गिर रहा है और साथ में सांस फूलना या अन्य लक्षण बढ़ रहे हैं, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और तत्काल मेडिकल सलाह लेनी चाहिए।



केन्द्रीय जेल दुर्ग के निरीक्षण में ‘न्यायश्रुति’ और ‘ई-साक्ष्य’ पर विशेष जोर

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के. विनोद कुजूर ने बंदियों के अधिकारों, डिजिटल न्यायिक प्रक्रिया और सुधारात्मक व्यवस्थाओं की व्यापक समीक्षा की

दुर्ग। न्याय केवल अदालत की चारदीवारी तक सीमित नहीं है। जेल की दीवारों के भीतर निरुद्ध प्रत्येक व्यक्ति तक भी न्याय की प्रक्रिया समयबद्ध, पारदर्शी और प्रभावी रूप से पहुंचे-इसी दृष्टिकोण के साथ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग श्री के. विनोद कुजूर ने मुख्यालय स्थित केन्द्रीय जेल, दुर्ग का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान बंदियों के अधिकारों, विधिक सहायता, स्वास्थ्य, स्वच्छता, भोजन, प्रकरणों की स्थिति, पुनर्वास एवं आश्रित परिवारों की समस्याओं के साथ-साथ न्यायिक प्रक्रिया में तकनीक के प्रभावी उपयोग, विशेषकर ‘न्यायश्रुति’ एवं ‘ई-साक्ष्य’ से संबंधित पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया गया।

जेल से कोर्ट तक - न्याय की प्रक्रिया में तकनीक की भूमिका- प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने इस बात पर विशेष बल दिया कि वर्तमान

समय में न्यायिक प्रक्रिया में डिजिटल तकनीक और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य की भूमिका लगातार महत्वपूर्ण हो रही है। ऐसे में जेल प्रशासन, विधिक सहायता व्यवस्था और न्यायालयीन प्रक्रिया के बीच बेहतर तकनीकी समन्वय आवश्यक है।

‘न्यायश्रुति’ के माध्यम से साक्ष्य एवं न्यायिक कार्यवाही से जुड़ी प्रक्रियाओं तथा ‘ई-साक्ष्य’ के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक/डिजिटल साक्ष्य के न्यायालयीन उपयोग की प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक जानकारी एवं जागरूकता पर विशेष जोर दिया गया। इसका मूल उद्देश्य यही है कि - **Technology** न्याय से अलग कोई व्यवस्था नहीं, बल्कि न्याय को अधिक सुलभ, व्यवस्थित और प्रभावी बनाने का माध्यम बने।

सजायाफ्ता बंदियों के अपील संबंधी प्रकरणों को अद्यतन रखने तथा उन्हें उनके प्रकरण की वर्तमान स्थिति से अवगत कराने के संबंध में जेल अधिकारियों को



आवश्यक निर्देश दिए गए। नव-आर्गलुक बंदियों को उनके प्रकरण से संबंधित जानकारी प्राप्त करने के तरीके के बारे में बताया गया। साथ ही ऐसे बंदी जो निजी अधिवक्ता नियुक्त करने में सक्षम नहीं हैं, उन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता एवं अधिवक्ता उपलब्ध कराए जाने की जानकारी दी गई।

SPRUHA Scheme: जेल की दीवारों के बाहर परिवार की कहानी

भी महत्वपूर्ण निरीक्षण का एक महत्वपूर्ण पक्ष **इस** की **SPRUHA** (Supporting Potential and Resilience of the Unseen, Held-back and Affected) Scheme, 2025 रहा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने संवाद करते हुए यह जानने का प्रयास किया कि निरुद्ध बंदियों के कारावास के दौरान उनके आश्रित-पत्नी,

बच्चे एवं वृद्ध माता-पिता-किन

सामाजिक, आर्थिक और व्यवहारिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। विशेष रूप से आजीविका, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य उपचार, भरण-पोषण और दैनिक आवश्यकताओं से जुड़ी समस्याओं के संबंध में जानकारी ली गई। पात्र बंदियों एवं उनके आश्रित परिवारजनों की पहचान कर उन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने तथा पात्रता के अनुसार केंद्र एवं राज्य शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

PLV होंगे परिवारों तक पहुंचने की कड़ी- प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि पैरा लीगल वालेंटियर्स (क्वैल्यू) के माध्यम से आश्रित परिवारों का फ़ैलड स्तर पर सत्यापन किया जाए और उनकी वास्तविक समस्याओं की

पहचान कर संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित किया जाए अर्थात् सहायता केवल जेल परिसर तक सीमित न रहे, बल्कि जरूरतमंद परिवार तक जमीनी स्तर पर पहुंचे।

स्वास्थ्य, गरिमा और पुनर्वास भी न्याय का हिस्सा- निरीक्षण के दौरान जेल प्रशासन को ऐसे बंदियों के संबंध में भी जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए, जिन्हें परिहार का लाभ प्राप्त हो सकता है और जिनके आवेदन लंबित हैं। निरीक्षण के उपरान्त अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा शंकर महतो प्रकरण में प्रतिपादित सिद्धांतों एवं दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जाए।

विशेष रूप से - मानवीय गरिमा, स्वच्छता, स्वास्थ्य, पोषण, मानसिक स्वास्थ्य, सुरक्षा, विधिक सहायता, पुनर्वास से संबंधित व्यवस्थाओं को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक

सुधारात्मक उपाय निरंतर किए जाने पर जोर दिया गया।

एक निरीक्षण, कई आयाम- केन्द्रीय जेल दुर्ग का यह निरीक्षण केवल व्यवस्थाओं के भौतिक अवलोकन तक सीमित नहीं रहा। इसमें बंदी के अधिकार से लेकर उसके परिवार की चिंता, विधिक सहायता से लेकर डिजिटल न्यायिक प्रक्रिया और कारावास से लेकर पुनर्वास तक न्याय व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं को एक साथ देखा गया।

‘न्यायश्रुति’ और ई-साक्ष्य जैसे तकनीकी माध्यमों के प्रभावी उपयोग पर जोर इसी व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा रहा-जहां तकनीक का अंतिम उद्देश्य प्रक्रिया को नहीं, बल्कि न्याय को अधिक प्रभावी बनाना है।

निरीक्षण के दौरान मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट भूपेश कुमार बंसत, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के सचिव उमेश कुमार भागवतकर, जेल अधीक्षक एवं अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान : कलेक्टर द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्र में खिलौना दान की शुरुआत

आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक 02 दीपक नगर में अपनी पत्नी के साथ पहुंचे कलेक्टर श्री सिंह

अपने कर कमलों से बच्चों को खिलौने किये प्रदान

समाज के प्रबुद्धजनों व आम नागरिकों से भी खिलौने दान करने की अपील की

दुर्ग। जिले के आंगनबाड़ी केन्द्र में खिलौना दान की पहल शुरू की गयी है। कलेक्टर अभिजीत सिंह आज दीपक नगर के आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक 02 में अपनी पत्नी श्रीमती मोनल सिंह के साथ पहुंचे और बच्चों को खिलौने दान किए। कलेक्टर को अपने निज पाकर



आंगनबाड़ी के बच्चे खुश हुए। बच्चों से पुष्पगुच्छ भेंट कर कलेक्टर सिंह का स्वागत किया। स्वागत से अभिभूत कलेक्टर सिंह ने बच्चों से उनका परिचय लिया और उन्हें टॉफी और खिलौने भेंट किए। जिनमें बड़े आकार के रिंग, सॉफ्ट ब्लाक्स, स्टैकिंग एवं शेरिंग खिलौने, जैसे आसानी से पकड़ने और सुरक्षित रूप से उपयोग किए जा सकने वाले विभिन्न प्रकार के मजबूत खिलौने शामिल हैं। खिलौने मिलने से बच्चे अत्यंत प्रसन्न हुए और आंगनबाड़ी में ही खिलौनों से खेलने लगे। इस दौरान आंगनबाड़ी में 0-6 वर्ष आयु

के बच्चों के संख्या 44 थी। आज 3-6 आयु वर्ग के 13 बच्चे उपस्थित थे। कलेक्टर सिंह ने बच्चों के लिए आंगनबाड़ी में बनाई गई खीर का स्वाद भी चखा। उन्होंने आंगनबाड़ी केन्द्र में स्थित खिलौने बैंक और बच्चों के ड्राइंग बैग्स का अवलोकन किया। कलेक्टर सिंह के कहने पर बच्चों ने आंगनबाड़ी की दीवारों पर बनी अक्षरज्ञान ड्राइंग्स को पढ़कर सुनाया। इस दौरान आंगनबाड़ी में उपस्थित बच्चों की माताएं एवं जनप्रतिनिधियों से अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला दुर्ग द्वारा जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों में आने वाले बच्चों के सर्वांगीण विकास और खेल-आधारित सीखने

के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए ‘सेवा संकल्प अभियान’ के अंतर्गत जनसमुदाय से सहयोग एवं सहभागिता का आह्वान किया गया है। जिले में वर्तमान में 1550 आंगनबाड़ी केंद्रों का संचालन किया जा रहा है। इन केंद्रों के माध्यम से 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों को पूरक पोषण आहार, स्वास्थ्य सेवाएं तथा प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा से संबंधित सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। इन केंद्रों से मुख्य रूप से आर्थिक एवं सामाजिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चे जुड़े हुए हैं। कई बच्चों के घरों में पर्याप्त खिलौने, खेल सामग्री एवं आवश्यक वस्त्र उपलब्ध नहीं होने के कारण उन्हें खेलते हुए सीखने और अपनी रचनात्मक क्षमताओं को विकसित करने के पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाते।



इंदिरा मार्केट स्थित कुआं चौक का नामकरण होगा भगवान परशुराम चौक, -मूर्ति स्थापना के लिए स्थान उपलब्ध कराने की घोषणा

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग सीमा क्षेत्र अंतर्गत इंदिरा मार्केट स्थित कुआं चौक का नामकरण भगवान परशुराम चौक किए जाने एवं भगवान परशुराम जी की मूर्ति स्थापना के लिए स्थान उपलब्ध कराने की घोषणा के बाद सकल ब्राह्मण समाज के

प्रतिनिधिमंडल ने आज नगर पालिक निगम की महापौर अलका बाघमार के कक्ष में पहुंचकर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर निगम सभापति श्याम शर्मा भी उपस्थित रहे। सकल ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधियों ने महापौर अलका बाघमार एवं सभापति श्याम शर्मा का पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया तथा भगवान परशुराम जी के नाम पर चौक का नामकरण एवं मूर्ति स्थापना के लिए स्थान उपलब्ध कराने के निर्णय पर आभार व्यक्त किया। समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि भगवान

परशुराम जी के नाम से चौक का नामकरण एवं उनकी प्रतिमा की स्थापना समाज की आस्था, संस्कृति और गौरव से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम है। इससे समाज की भावनाओं को सम्मान मिला है।

सकल ब्राह्मण समाज की ओर से महापौर एवं सभापति के प्रति हार्दिक आभार एवं अभिनंदन व्यक्त किया गया। इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने कहा कि भगवान परशुराम जी भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा के महत्वपूर्ण प्रतीक हैं। उनके नाम पर चौक का नामकरण और प्रतिमा स्थापना से जुड़ी समाज की भावना का सम्मान किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय केवल नामकरण तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और आस्था के सम्मान का प्रतीक है। नगर निगम द्वारा जनभावनाओं और

सामाजिक आस्था से जुड़े विषयों को प्राथमिकता के साथ लिया जा रहा है। सभापति श्याम शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम जी के नाम पर चौक का नामकरण एवं मूर्ति स्थापना का निर्णय सकल ब्राह्मण समाज की भावनाओं से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि समाज की लंबे समय से चली आ रही भावना को सम्मान देते हुए यह पहल की गई है। भगवान परशुराम जी के आदर्श और उनके जीवन से समाज को सदैव प्रेरणा मिलती रही है। इस अवसर पर लोक कर्मा शर्मा, राजेंद्र शर्मा, नंदकिशोर शर्मा, राजेंद्र शर्मा, नंदकिशोर शर्मा, कैलाश पंडा, अभिषेक अवस्थी, मयंक शर्मा, प्रशांत शास्त्री, शिवाकांत तिवारी बृजमोहन तिवारी सहित बड़ी संख्या में सकल ब्राह्मण समाज के पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

सेवा सेतु शिविर में चतुर राम साहू को मिला निःशुल्क चश्मा



बलौदाबाजार। सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत कुषि उपज मंडी परिसर पनगांव, बलौदाबाजार में आयोजित सेवा सेतु शिविर में आमजनों को विभिन्न शासकीय सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ सहजता से उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी क्रम में अपना घर कॉलोनी निवासी चतुर राम साहू का शिविर में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। स्वास्थ्य जांच के दौरान चिकित्सकीय परामर्श के आधार पर उन्हें चश्मा प्रदान किया गया। निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं चश्मा मिलने से चतुर राम साहू ने

प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सेवा सेतु शिविर के आयोजन के लिए शासन एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। सेवा सेतु शिविर के माध्यम से नागरिकों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, राजस्व, श्रम, कुषि सहित विभिन्न विभागों की सेवाएं एवं योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य शासकीय सेवाओं को नागरिकों के और अधिक करीब पहुंचाते हुए पात्र हितग्राहियों को समय पर योजनाओं का लाभ दिलाना है।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर इस्पात बिरादरी ने वरिष्ठजनों का

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग द्वारा संचालित भिलाई इस्पात सियान सदन में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 01 अक्टूबर 2026 को अन्तरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठजनों का सम्मान, विशेष भजन कार्यक्रम तथा रहवांसियों के मनोरंजन हेतु विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार उपस्थित थे। विशेष अतिथि के रूप में महाप्रबंधक प्रभारी (नगर सेवाएं एवं सीएसआर) ए.बी. श्रीनिवास तथा महाप्रबंधक (सीएसआर) मनोज दुबे उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ देवी सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर तथा पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। प्रातःकाल सियान सदन परिसर के वरिष्ठजनों का गुलाब भेंट कर स्वागत किया गया और उन्हें खेह भरे



अभिव्यक्त के साथ वृद्धजन दिवस की शुभकामनाएं दी गईं। मुख्य अतिथि पवन कुमार ने सियान सदन के सभी वरिष्ठजनों को स्वस्थ, सुखी एवं आनंदमय जीवन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सियान सदन के रहवांसियों के साथ व्यतीत किया समय उन्हें आत्मीयता और प्रसन्नता प्रदान करता है, जो उन्हें अपने परिवार के वरिष्ठजनों के सान्निध्य की अनुभूति कराता है। भिलाई इस्पात संयंत्र के विकास में वरिष्ठजनों के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि उनके समर्पण एवं परिश्रम ने संयंत्र को

सुदृढ़ आधार प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने वरिष्ठजनों के आशीर्वाद को वर्तमान पीढ़ी के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए भिलाई इस्पात संयंत्र के निरंतर प्रगति एवं उत्कृष्टता की ओर अग्रसर होने की कामना की। कार्यक्रम के दौरान स्पोर्ट्स एवं कल्चरल रूप से प्रबंध्य चतुर्वेदी एवं उनके दल द्वारा भजन कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। प्रबंध्य चतुर्वेदी के साथ पी.टी. उल्लास कुमार एवं श्रीमती सुमिता सरकार ने भक्तिमय गीतों की प्रस्तुति दी, जबकि तबले पर भालचंद्र शैकेर ने संगत की।

जनपद सदस्य अशोक पटेल ने मुख्यमंत्री साय से की सौजन्य भेंट, क्षेत्र के विकास मुद्दों

●कुंजराम पटेल जिला पंचायत सभापति प्रतिनिधि, प्रेमलाल पटेल शाकंभरी बोर्ड सदस्य हुए शामिल

भटगांव/ बिलाईगढ़। जनपद पंचायत बिलाईगढ़ के जनपद सदस्य अशोक पटेल ने आज राजधानी रायपुर स्थित निवास पर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से सौजन्य भेंट की। इस दौरान अशोक पटेल ने अपने क्षेत्र के विभिन्न जनहित एवं विकास कार्यों को लेकर मुख्यमंत्री जी से विस्तार से चर्चा की तथा संबंधित विषयों के आवेदन सौंपे। मुख्यमंत्री ने आवेदन प्राप्त कर तत्काल मार्क करते हुए संबंधित कार्यालय को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया और कार्यों को पूर्ण कराने का आश्वासन दिया। अशोक पटेल ने कहा कि क्षेत्र के



का आभार व्यक्त किया। वहीं भेंट मुलाकात में कुंजराम पटेल जिला पंचायत सभापति प्रतिनिधि, प्रेमलाल पटेल शाकंभरी बोर्ड सदस्य, लोमस पटेल पूर्व जनपद सदस्य, राधे पटेल, प्रकाश नायक उपस्थित रहे।

इन मुद्दों पर हुई चर्चा
- किसानों की समस्याएं
- सड़क, पुल एवं अधोसंरचना
- शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाएं
- रक्षण, पैशन एवं जनकल्याण योजनाएं
- क्षेत्र के विकास कार्य

श्रम दान करने पहुंचे सैकड़ों, तालाब साफ़कराने विधायक ने की पहल, दुर्ग से मंगाया सर्फेस रिस्किमर मशीन

रिसाली। जल कुंभी से पेटे रिसाली के तालाबों की सफाई सर्फेस रिस्किमर मशीन से की जा रही है। नागरिकों और वार्ड पार्षद के अनुरोध पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ने पहल की। उन्होंने तालाब साफ कराने के लिए दुर्ग निगम से मशीन उपलब्ध कराई है। इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ने कहा कि तालाब और पोखर को सहेजना अति आवश्यक है। तालाब का सौंदर्यीकरण पहले हो चुका है। वर्तमान में तालाब जलकुंभी से पट चुका है। कुछ दिनों पूर्व पार्षद और नागरिकों ने उन्हें ज्ञापन दिया था। दुर्ग महापौर से चर्चा के बाद उन्होंने यह मशीन रिसाली को कुछ दिनों के लिए उपलब्ध कराया। इसी मशीन से तालाबों की सफाई की जा रही है।



यह मशीन जल कुंभी और पानी में तैर रहे जलीय पौध व अन्य कचरे को बाहर करेगा। इस अवसर पर आयुक्त मोनिका वर्मा ने नागरिकों से अपील की है कि वे तालाब को साफ रखने में निगम का सहयोग करें। गंदगी न फैलाएं। श्रम दान में जुटे सैकड़ों हाथ- विधायक ललित चंद्राकर के नेतृत्व में पार्षदों और नागरिकों ने स्वच्छता सेवा के तहत श्रम दान किया। श्रमदान के तहत जनप्रतिनिधि व नागरिकों ने तालाब के आसपास सफाई की।